दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-110
मुरादाबाद
(Friday)
09 August 2024
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

लोकसभा में वक्फ बोर्ड संसोधन बिल पेश, TDP- अखिलेश यादव बोले- रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही भाजपा, लिखकर दे कि वक्फ की जमीनें नहीं बेची जाएंगी

JDU सरकार के साथ तो YSR समेत विपक्ष खिलाफ

संसद के मानसून सत्र के दौरान आज भी जोरदार हंगामे के आसार है। वक्फ बोर्ड को मिली असीमित शक्तियों पर अंकुश लगाने और बेहतर प्रबंधन व पारदर्शिता के लिए सरकार ने लोकसभा में गुरुवार को विधेयक पेश किया। वहीं, विनेश मामले को लेकर भी विपक्ष सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। च्चर समिति की रिपोर्ट पर विधेयक आधारित- रिजिजू किरेन रिजिजू ने कहा, आज जो विधेयक लाया जा रहा है वह सच्चर समिति की रिपोर्ट (जिसमें सुधार की बात कही गई थी)

पर आधारित है, जिसे आपने (कांग्रेस ने) बनाया था। किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक पर कहा कि इस विधेयक से संविधान का उल्लंघन नहीं हो रहा है। जिन्हें हक नहीं मिला उन्हें हक देने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। किसी धर्म में दखल नहीं दिया जा रहा है। विपक्ष की सारी आशंकाएं दूर की जाएंगी। इस विधेयक का समर्थन करिए करोड़ों लोगों की दुआएं मिलेंगी।

वाईएसआर कांग्रेस ने किया विरोध वाईएसआर कांग्रेस ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का विरोध किया। सभापति धनखड़ ने सदन के नेताओं की बैठक बुलाई। उन्होंने कहा कि सदन में जो दृश्य बनाया गया वह अभूतपूर्व था, सहन करने लायक नहीं था। कड़े फैसले लेना हमारा कर्तव्य है। विधेयक का विरोध करते हुए अखिलेश ने कहा कि सरकार लोकसभा के अध्यक्ष के अधिकार में भी कटौती करने की तैयारी कर रही है। हमें और पूरे विपक्ष को आपके लिए लड़ना होगा। इस पर अमित शाह ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आसन का अपमान कर रहे हैं। आसन के अधिकार सदन के अधिकार हैं। इसके बाद ओम बिरला ने सदन के सदस्यों से आसन पर टिप्पणी नहीं करने की अपील की। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 25 के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। यह विधेयक भेदभावपूर्ण और मनमाना दोनों है। इस विधेयक को लाकर, आप (केंद्र सरकार) राष्ट्र को एकजुट करने का नहीं बल्कि विभाजित करने का काम कर रहे हैं। यह विधेयक इस बात का प्रमाण है कि आप मुसलमानों के दुश्मन हैं। ,वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का विरोध करते हुए लोकसभा में NCP-SCP सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, मैं सरकार से अनुरोध करती हूं कि या तो इस विधेयक को पूरी तरह से वापस ले या इसे स्थायी समिति को भेज दें। कृपया परामर्श के बिना एजेंडा आगे न बढ़ाएं।क्फ संशोधन विधेयक पर भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा, इस पर राजनीति की जा रही है। बातचीत चल रही है। विपक्ष हर चीज का विरोध करता रहेगा। प्रधानमंत्री इतनी अच्छी चीजें लेकर आए हैं, उन्हें सब गलत लगता है। लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 का विरोध करते हुए डीएमके सांसद कनिमोझी ने कहा, यह अनुच्छेद 30 का सीधा उल्लंघन है जो अल्पसंख्यकों को अपने संस्थानों का प्रबंधन करने से संबंधित है। यह विधेयक एक विशेष धार्मिक समूह को लक्षित करता है... कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, %यह विधेयक संविधान पर एक बुनियादी हमला है। इस विधेयक के जरिए वे यह प्रावधान कर रहे हैं कि गैर-मुस्लिम भी वक्फ गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हों। यह धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। आगे आप ईसाइयों के लिए जाएंगे, फिर जैन ... भारत के लोग इस तरह की विभाजनकारी राजनीति को अब नहीं सहेंगे। हम हिंदू हैं लेकिन साथ ही हम अन्य धर्मों की आस्था का भी सम्मान करते हैं। यह विधेयक महाराष्ट्र, हरियाणा चुनाव के लिए खास है। आप यह नहीं समझते कि पिछली बार भारत के लोगों ने स्पष्ट रूप से आपको सबक सिखाया था। यह संघीय व्यवस्था पर हमला है।

संक्षिप्त समाचार

हिजाब बांधकर आने वाली छात्राओं की कॉलेज में नोएंट्री, प्रिंसिपल बोलीं- ड्रेस कोड का न होने देंगे उल्लंघन

कानपुर के कॉलेज में हिजाब बांधकर आने वाली छात्राओं को प्रवेश नहीं दिया गया। इस मामले पर प्रिंसिपल ने कहा कि ड्रेस कोड का उल्लंघन नहीं होने देंगे। कॉलेज प्रशासन के फैसले से छात्राओं में नाराजगी है।कानपुर के बिल्हौर कस्बे के बिल्हौर इंटर कालेज में बुधवार को चेहरे पर हिजाब बांधकर आने वाली चार छात्राओं को कालेज में प्रवेश करने से रोक दिया गया। इसको लेकर छात्राओं में खासी नाराजगी है। वहीं, प्रधानाचार्य का कहना है कि कालेज में ड्रेस कोड लागू हैं, इसलिए ऐसा किया गया है।बिल्हौर इंटर कालेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य सुरजीत सिंह यादव ने बताया कि कालेज में शासनादेश के मुताबिक ड्रेस कोड लागू हैं। इसलिए किसी भी छात्र को धार्मिक या फिर असामाजिक पहनावे के साथ नहीं आना है, यदि कोई छात्र-छात्रा धार्मिक ड्रेस पहनकर आती भी है तो वह कालेज गेट या फिर कालेज चेजिंग रूम में जाकर उसे बदल ले। तभी उसे कालेज परिसर और कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। प्रधानाचार्य ने कहा कि कालेज के अंदर निर्धारित ड्रेस पहनकर की अनुमति है, गैर पारंपरिक ड्रेस में आने वाले छात्र या छात्रा को रोका जाता है। उधर, कालेज के वरिष्ठ शिक्षक व पूर्व चेयरमैन नूर इदरिसी ने बताया कि हिजाब की तरह मुंह बांधकर आने वाली चार छात्राओं को रोका गया है। सीनियर छात्राएं ड्रेस कोड नहीं मान रहीं थीं, जिस पर प्रधानाचार्य ने भी समझाया था

वक्फ विधेयक पर रार!: ओवैसी बोले- देश को बांटने की कोशिश हो रही; ललन सिंह का पलटवार- यह किसी धर्म के खिलाफ नहीं

डीएमके सांसद कनिमोझी ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 30 का सीधा उल्लंघन है, जो कि अल्पसंख्यकों को उनके धार्मिक संस्थों का प्रशासन करने का अधिकार देता है। यह विधेयक एक धर्म विशेष को निशाना बनाता है।वक्फ संशोधन विधेयक 2024 लोकसभा में पेश हो गया है। इसके साथ ही जैसी कि अनुमान था कि इस पर आरोप-प्रत्यारोप और राजनीति भी शुरू हो गई है। विपक्ष ने विधेयक का लोकसभा में ही विरोध शुरू कर दिया। विपक्ष ने वक्फ संशोधन विधेयक को संविधान के मूल पर हमला बताया है। वहीं सरकार का कहना है कि यह विधेयक धर्म विरोधी नहीं है और इससे धार्मिक स्थलों की कार्यप्रणाली में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं होगा। वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करते हुए कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि %हम हिंदू हैं, लेकिन साथ ही हम दूसरे धर्मों की आस्था का भी सम्मान करते हैं। यह विधेयक इसलिए लाया जा रहा है क्योंकि महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव हैं। आप नहीं समझ रहे हैं कि पिछली बार देश की जनता ने आपको पाठ पढ़ाया था। यह देश के संघीय ढांचे पर हमला है। इस विधेयक के माध्यम से ऐसा प्रावधान लाया जा रहा है कि गैर-मुस्लिम भी वक्फ गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हो सकते हैं। यह आस्था की आजादी पर सीधा हमला है। अगली बार आप ईसाइयों, जैनियों के लिए ऐसा करेंगे। देश के लोग इस तरह की बंटवारे की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेंगे।%एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ विधेयक को लेकर कहा कि %यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 25 का उल्लंघन करता है। यह विधेयक भेदभावपूर्ण और मनमाना है। यह विधेयक लाकर सरकार देश को बांटने की कोशिश कर रही है। यह विधेयक इस बात का सबूत है कि आप मुस्लिमों के दुश्मन हैं।% सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि %ये बिल जो पेश किया गया है, वो बहुत सोची समझी राजनीति के तहत हो रहा है। मैंने सुना है कि आपके भी कुछ अधिकारों को वापस लिया जा रहा है और हम आपके लिए भी लड़ेंगे। मैं विधेयक का विरोध करता हूं।% अखिलेश के बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री ने आपत्ति भी जताई और कहा कि आप लोकसभा स्पीकर के अधिकारों के संरक्षक नहीं हैं एनसीपी एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि %मैं सरकार से अपील करती हूं कि वह या तो विधेयक को वापस लें या फिर उसे स्टैंडिंग कमेटी के पास भेजें। कृप्या बिना परामर्श के अपने एजेंडे न चलाएं।%आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने कहा कि %आप (सरकार) वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद को पूरी तरह से कमजोर कर रहे हैं। आप व्यवस्था बिगाड़ रहे हैं। यह संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है। मैं सरकार को आगाह करता हूं कि अगर इस विधेयक की न्यायपालिका द्वारा समीक्षा की गई तो यकीनी तौर पर यह विधेयक अटक जाएगा।% वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर सरकार का पक्ष रखते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि %यह विधेयक मुस्लिमों के खिलाफ कैसे है? यह विधेयक सिर्फ पारदर्शिता के लिए लाया गया है..विपक्ष इसकी तुलना मंदिरों से करके मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है। केसी वेणुगोपाल को ये बताना चाहिए कि जब हजारों सिखों को मारा गया..किस टैक्सी ड्राइवर ने इंदिरा गांधी की हत्या की? अब ये अल्पसंख्यकों की बात कर रहे हैं।%राजीव रंजन सिंह ने कहा कि वक्फ बोर्ड का गठन एक कानून द्वारा किया गया। अगर कानून के द्वारा बनाया गया ।

अखिलेश यादव बोले- रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही भाजपा, लिखकर दे कि वक्फ की जमीनें नहीं बेची जाएंगी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार के वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पर कहा कि भाजपा रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है। उनका मकसद रक्षा, रेल, नजूल लैंड की तरह जमीन बेचना है।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है। उन्हें लिखकर देना चाहिए कि वक्फ की जमीनें नहीं बेची जाएंगी। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि 'वक़्फ़ बोर्ड' का ये सब संशोधन भी बस एक बहाना है। रक्षा, रेल, नजूल लैंड की तरह ज़मीन बेचना निशाना है। वक़्फ़ बोर्ड की जमीनें, डिफेंस लैंड, रेल लैंड, नजूल लैंड के बाद 'भाजपाइयों के लाभार्थ योजना' की शृंखला की एक और कड़ी मात्र हैं। भाजपा क्यों नहीं खुलकर लिख देती = 'भाजपाई-हित में जारी%इस बात की लिखकर गारंटी दी जाए कि वक़्फ़ बोर्ड की ज़मीनें बेची नहीं जाएंगी। भाजपा रियल स्टेट कंपनी की तरह काम कर रही है। उसे अपने नाम में 'जनता' के स्थान पर 'जमीन' लिखकर नया नामकरण कर देना चाहिए = भारतीय जमीन पार्टी। बता दें कि केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को लोकसभा में पेश करने वाली है जिसे लेकर बयानबाजी का दौर जारी है।

ये नाटक कर रहे हैं, इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी के विरोध पर विपक्ष पर बरसीं वित्त मंत्री

वित्त मंत्री ने कहा कि जिन नेताओं को जीवन और चिकित्सा बीमा के प्रीमियम पर जीएसटी के फैसले पर आपत्ति है, पहले उन्हें अपने राज्यों के वित्त मंत्रियों से चर्चा करनी चाहिए, क्योंकि जीएसटी परिषद की बैठक में उन्होंने भी अपनी राय दी थी। जीवन और चिकित्सा बीमा के प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने के फैसले के चलते विपक्ष के निशाने पर आईं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं को जीवन और चिकित्सा बीमा के प्रीमियम पर जीएसटी के फैसले पर आपत्ति है, पहले उन्हें अपने राज्यों के वित्त मंत्रियों से चर्चा करनी चाहिए, क्योंकि जीएसटी परिषद की बैठक में उन्होंने भी अपनी राय दी थी। यह विपक्ष का दोहरा मापदंड- जीएसटी प्रीमियम पर बढ़ रहे विरोध के बीच सरकार ने साफ किया है कि प्रीमियम पर जीएसटी लगाने का फैसला जीएसटी काउंसिल का था। वित्त मंत्री ने लोकसभा में कहा कि जीएसटी आने से पहले भी मेडिकल इंश्योरेंस पर टैक्स था। यह कोई नया टैक्स नहीं है और यह सभी राज्यों में है।% वित्त मंत्री ने कहा कि यहां विरोध करने वालों ने, क्या उन्होंने अपने राज्यों में इस कर को हटाने

के बारे में चर्चा की? क्या उन्होंने अपने-अपने राज्यों के वित्त मंत्रियों को इस बारे में लिखा और उनसे इसे जीएसटी परिषद में उठाने के लिए कहा, जहां राज्यों की हिस्सेदारी दो तिहाई है? नहीं, लेकिन वे यहां विरोध कर रहे हैं। यह उनका दोहरा मापदंड है, यह उनका नाटक है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी जताई आपत्ति- गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी जीवन और चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाने का विरोध करने वालों में शामिल हैं। गडकरी ने इसे लेकर वित्त मंत्री को पत्र भी लिखा है। 28 जुलाई को लिखे पत्र में गडकरी ने नागपुर में जीवन बीमा निगम कर्मचारी संघ की चिंताओं को उठाया था और कहा था कि बीमा पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने के समान है। साथ ही, चिकित्सा बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत जीएसटी इस व्यवसाय के विकास के लिए बाधक साबित हो सकता है, जबकि यह क्षेत्र सामाजिक रूप से जरूरी है। पत्र में गडकरी ने बीमा प्रीमियम पर जीएसटी को वापस लेने के फैसले पर विचार करने की अपील की। राहुल गांधी ने बताया था सरकार की असंवेदनशील सोच- लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भी सरकार के फैसले पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि भाजपा हर आपदा में कर अवसर तलाशती है, जो कि उनकी असंवेदनशील सोच को दर्शाता है। राहुल गांधी ने लिखा कि मोदी सरकार ने उन लोगों से भी 24,000 करोड़ रुपये लूट लिए हैं, जो स्वास्थ्य संकट की स्थिति में किसी के सामने झुकने से बचने के लिए एक-एक पैसा बचाते हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद माला रॉय के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में लोकसभा को बताया था कि वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2023-24 के बीच स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम और री-प्रीमियम से जीएसटी संग्रह के रूप में कुल 24,529.14 करोड़ रुपये एकत्र किए गए थे। आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2021-22 में स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी संग्रह 5,354 करोड़ रुपये था, जो 2022-23 में बढ़कर 7,638 करोड़ रुपये हो गया और वित्तीय वर्ष 2023-24 में यह 8,262 करोड़ रुपये हो गया।

विनेश फोगाट के संन्यास की खबर से आग-बबूला शशि थरूर सिस्टम पर भड़के, कहा- लड़ते-लड़ते थक गई...

पेरिस ओलंपिक से डिसक्वालिफाई होने के बाद भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास लेने का एलान कर दिया। इसी खबर से कांग्रेस सांसद शशि थरूर का गुस्सा भड़क गया। भारत की दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट ने गुरुवार को संन्यास का एलान कर दिया। बुधवार को उन्हें महिलाओं की 55 किग्रा कुश्ती स्पर्धा के फाइनल से बाहर कर दिया गया था। सेमीफाइनल में उन्होंने क्यूबा की पहलवान लोपेज गुजमान को 5-0 से हराया था। माना जा रहा था कि विनेश का पदक पक्का हो गया है, लेकिन उन्हें डिसक्वालिफाई कर दिया गया। उनके संन्यास की खबर से हर कोई स्तब्ध है। वहीं, सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। अब कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि विनेश फोगाट लड़ते-लड़ते थक गईं। माना जा रहा है कि थरूर का इशारा केंद्र और बाकी पर था। कांग्रेस सांसद थरूर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, इस सिस्टम से पक गई है ये लड़की, लड़ते-लड़ते थक गई है ये लड़की। मां कुश्ती मेरे से जीत गई- विनेश- दरअसल, पेरिस ओलंपिक से डिसक्वालिफाई होने के बाद भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने संन्यास लेने का एलान कर दिया। उन्होंने गुरुवार को कहा, मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024। उन्होंने माफी मांगते हुए कहा कि आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी।

संपादकीय Editorial

Expenditure for income

The state is struggling with the economy of government structure, lack of financial resources, the habit of wasteful expenditure in the financial system, government generosity and absurd promises or guarantees in electoral gimmicks. Apart from political or electoral ambitions, the reality of the state can no longer remain hidden, so the guarantee of the right or wrong of decisions will now have to be made to arrange for expenditure for income so that there can be economic arrangements for survival. In this search, Sukhu government awakened the sleeping rights of Himachalis and invented ideas like water cess. Now economy is being created through electricity scheduling. That is, the sources of authorized free electricity from central power projects will be away from the trouble of direct transmission charges from the source. In this way, the account of additional income of two hundred crores will be added in the budget. When the government's sharp eye fell on the Himcare scheme, it came to know that fake payments ruined this scheme. Himcare scheme started protecting private health institutions instead of treating the common man. Sukhu government seems to be ready to stop this leakage. Though three thousand units registered under the homestay scheme started getting flooded with tourists, they started hurting the electricity and water supply of the government. In future, the government will supply electricity and water under homestay at commercial rates only. There is no doubt that the government should change its economic behaviour, but the private sector should not be attacked only. Of course, there should not be expenditure at the level of deficit for the income of the state, but for this the psychology of the society will have to be given the right direction. Let the government remain the government, but partners are needed to take the state forward. If the society is made disabled in every aspect of forming or saving the government, then the economic disability of the state will not go away. Who is helpless in a state where a vehicle is parked outside the two-storey house of a BPL family? The citizens of the state who are the owners of real estate in the neighboring states need to make fuel in Himachal, not show diyas. Who asked for free electricity, treatment on loan or a new wall adjacent to the wall of education. It has to be accepted that the government sector could neither take the economy of this state forward nor save it. A private bus is not just a route permit, it is the entire economy and employment. A street vendor also generates employment and gives GST to the state. Business promotion and employment opportunities will have to be arranged. The state will have to spend in the private sector for income. New investment zones will have to be created by spending, so that self-employment, employment and GST can be generated in the private sector. The government should invest in creating a land bank and acquire expertise from the experience of the private sector. For example, if the suggestions of experienced private transporters are heard in the board of directors of HRTC, then government buses can be profitable. If the tourism industry is put on the shoulders of private people, then the burden of loss-making HPTDC will be reduced. The private sector can be the architect of increasing the state's income, this will have to be studied in Maharashtra, Karnataka and Gujarat. The government's income can increase in temples, but first these complexes will have to be developed like the temple model of South India. There is an income of five thousand crores from our temples, only this potential needs to be channelized in a systematic manner.

Political situation in Bangladesh and India: What will be the impact?

How did the movement that started in Bangladesh against reservation turn into the Sheikh Hasina Hatao Andolan and how did one of its directions turn into attacks on Hindu minorities? After the coup that took place on 5 August in Bangladesh, a neighbouring country that was once a part of India, two narratives are emerging in India. The first is that in countries built on the basis of religion, the spirit of communal hatred starts raising its head again as soon as it gets an opportunity, and the second is that if the character of power in India remains the same as in Bangladesh, then there is a possibility of a coup here as well, in which foreign powers can also play their game. Actually, India should learn a lesson from the events in Bangladesh. Here too, the first narrative is based on experience and circumstances, while the second narrative is purely political. We will have to understand both narratives in their contexts. Does India have to understand the situation? If we look at the first narrative, how the movement that started in Bangladesh against reservation turned into the Sheikh Hasina Hatao Andolan and how one of its directions turned into attacks on Hindu minorities. The fault of the victimised Hindus there was perhaps only that most of the Hindus, who constituted only 8 percent of the country's total population, were supporters of the party of ousted PM Sheikh Hasina Wajed. According to the news coming in, Hindu temples and Hindus have been attacked and looted in 27 districts of Bangladesh. Two Hindu leaders have been killed. However, a news is also coming in that this form of violence is not as widespread as was feared. Govind Chandra Pramanik, president of Bangladesh Jatiya Mahajot, a large organization of Bangladeshi Hindus, says that some Hindu leaders were attacked on the evening of August 5. Then an attempt was made to damage some temples, but now the situation is much better than before. However, this statement of Pramanik seems to be more political and given under compulsion. Because they also call Sheikh Hasina communal and say that she was pro-Muslim and also praise Sheikh Hasina's opponents BNP and Jamaat-e-Islami. On the other hand, a video of a victimised Hindu woman of Bangladesh is also going viral, in which she is saying that the army is protecting Hindus at some places, but it is only on the main roads. Violence against Hindus continues fearlessly in the interior areas. The seriousness of this matter can also be understood from the fact that now America, which itself is suspected to be involved in the coup conspiracy, has also expressed concern about the safety of Hindus in Bangladesh. Anyway, the opposition Bangladesh Nationalist Party (BNP) and Jamaat-e-Islami are considered to be staunch nationalist and pro-Muslim parties there. By the way, the month of August is of great importance in the history of India, Pakistan and Bangladesh. After the end of the 'Bang Bhang Movement' in undivided India, the All India Muslim League was established in 1906 in Dhaka, the capital of the then Bengal and today's Bangladesh, at the instigation of the British. 41 years after this incident, the country was divided into two parts. Nawab Khwaja Salimullah of Dhaka had a special role in the establishment of the Muslim League. Here in India, 9 August is remembered every year as 'August Revolution Day'. Because on this day in 1942, the Congress under the leadership of Mahatma Gandhi started the 'Quit India Movement'. This was the decisive freedom movement of Indians against British rule. Four years after this movement, when the Muslim League announced 'Direct Action' as an ultimatum to the British government demanding 'two nations' on the basis of religion, that date was also 16 August 1946. The Muslim League had called for a general strike on that day, which was opposed by the Congress and Hindu organizations. After this, a fierce massacre started in Kolkata, Noakhali and surrounding areas of undivided Bengal, in which about 4 thousand people were killed. More than 1 lakh were injured. However, Congress and Muslim League blamed each other for starting this violence. But as if this was not enough. The second phase of violence in the country started at the time of independence. On the midnight of 14th and 15th August, the erstwhile undivided India was divided into two countries on the basis of religion named India and Pakistan. Initially, both the countries had the same Independence Day. But later Pakistan declared its 'Yaum-e-Azadi' on 14th August. On the same day, power was transferred to Pakistan Muslim League in Karachi. In 1971, newly born Bangladesh was formed by separating from Pakistan and the Pakistan Muslim League which was formed in the east also became irrelevant. On 8th August 1976, a new party named 'Bangladesh Muslim League' was established there. Now this party has also split into three factions and it is not a big political force in Bangladesh. Now the Bangladesh Nationalist Party and Jamaat-e-Islami are carrying forward its ideology. It is also ironic that the modern Bangladesh was founded by Sheikh Mujibur Rahman, who is respectfully called the 'Father of the Nation' there, but he was also assassinated on 15 August 1975. And now on 5 August his statues were broken in Bangladesh. This insult of the Father of the Nation by the citizens of a country is surprising. It is a different matter that Sheikh Mujibur himself was an active youth leader of the Muslim League that created Pakistan in 1947. Still, the people of Bangladesh may be angry with Sheikh Hasina and the Awami League, but what is the meaning of breaking the statues of Mujibur Rahman? And Bangladesh, what will be the government's stand? Here in India, three years ago, Prime Minister Narendra Modi had announced to celebrate 14 August as 'Bhibhisika Diwas', then he was criticized saying that he wants to revive the memories of the violent tragedy of the country's partition and spread communal hatred once again. Of course, no one wants to preserve bad memories. But it is also a bitter truth that in the riots that broke out on 14 August 1947, 500 Hindus were killed in Kolkata alone. Mahatma Gandhi had to go there to stop the terrible communal riots that broke out in Kolkata and Noakhali. After that the violence stopped. Now the communal violence that was seen on 5 August 2024 in Bangladesh parallel to the political movement is definitely a glimpse of what and how would have happened in the then India on 14 August 1947, especially in Bengal and Punjab where there was massive bloodshed. In Punjab, 2 lakh people were killed and 20 lakh people became homeless. The second narrative is an indirect dig at Prime Minister Narendra Modi and his working style. That is, if he does not listen to the people and keeps working according to his own will, then the situation can worsen in India as well. What we are calling a 'coup' is being called a 'new revolution' in Bangladesh. However, there is a lot of difference in the political and social character of India and Bangladesh. Keeping aside the freedom movement, no movement here has been able to engulf the entire country at once. In countries like Bangladesh and Pakistan, the army has been running the government sometimes indirectly and sometimes directly. It is not so in India. Our wide diversity and vastness and sovereignty is our self-control. There have been big political movements here many times, there has been ethnic violence, there have been communal riots, but its spread has been limited to a limited area. Apart from elections, no tool of power change can work easily here. If the tendency to remain in power by hook or crook dominates like Sheikh Hasina, then it is certain that the people will leave you first. But in India the method will be different. Here if Modi has to be removed then the public will do it and if someone else has to be brought in then the public will do it. Before setting any narrative we should not make the mistake of underestimating our inner strength and inner character. If people in Bangladesh are breaking the statue of Sheikh Mujibur and spreading anarchy by seeing themselves as different from the freedom fighters, then this indicates which forces are working behind this. In such a situation, India needs to be extra cautious. 15th August this month is the 49th anniversary of the assassination of Bangladesh's founder Sheikh Mujibur Rahman and his twenty close relatives. The Bangladesh High Commission in New Delhi had decided to observe 'National Mourning Day' on that day. But later it was 'informed' that the 'program has been postponed due to unavoidable reasons'. Nothing can be more poignant than this to describe the sudden political change in Dhaka. The removal of Sheikh Hasina, daughter of Bangladesh's founder Mujibur, from the post of Prime Minister amidst violent protests is the latest political development for Bangladesh, born from the Liberation War in 1971, and the entire world. The movement that started 53 years ago under the leadership of Mujibur against the Pakistani army culminated in another military coup. Most importantly, this has been done by a military general who is a distant relative of Sheikh Hasina, and whom she trusted. After 15 years of military rule, which Sheikh Hasina had prevented from achieving economic progress and political stability, Bangladesh is now under the military once again. As in the last military coup, Army Chief General Waqar-uz-Zaman has promised an interim government, but has not mentioned whether he or the army will have any role in it. But there should be no doubt about who will take the decisions. He has also promised 'justice'. Among the first to be released is Sheikh Hasina's political rival Begum Khaleda Zia, who has been convicted in several corruption cases. Khaleda Zia and her Islamist allies had also become a cause of concern for Western democracies at the end of the last century, when Bangladesh became a hotbed of Islamic terrorism. These forces are anti-India. What has happened in Bangladesh should be a matter of concern for India. Will Bangladesh again become a major hub of terrorists? Sheikh Hasina contributed immensely in making India's northeastern states safe. The terrorist camps operating from Bangladesh's soil were uprooted. India must now be prepared for Bangladesh to once again promote tribal extremism. Now the central government's peace agreements with Naga, ULFA and other extremist groups may be in danger. There are clear indications that the turmoil in Dhaka is not only linked to Khaleda Zia's Bangladesh Nationalist Party, but also to socially powerful Islamic organizations like the pro-Pakistan Jamaat-e-Islami, which Hasina wanted to ban but could not. Pakistan's intelligence agency ISI fueled this turmoil through the tribal population, the growing business class and madrassas. There is celebration in Pakistan at the end of the 'Mujib era'. The pressure on India to increase surveillance on its eastern and northeastern borders has increased manifold. India has to revise all economic aid, trade concessions and projects given during the Hasina regime without giving rise to diplomatic disputes. Like Pakistan, China is also happy with the change in Dhaka. Beijing was upset that Hasina secured projects from India that it wants to expand its influence in South Asia. Reports suggest that Hasina was not taken seriously by the Chinese leadership. Apart from economic relations and border management, which matter a lot to any two neighbouring countries, India has to be prepared for a diplomatic dispute over the Ganges Water Treaty, which is up for renewal. In the past, the Khaleda Zia government had raised the issue in the United Nations General Assembly in the 1990s. Another contentious issue is the Teesta water sharing and development of its basin, which lies near the 23-km-long narrow 'Chicken Neck' in North Bengal.

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं का कलेक्ट्रेट प्रदर्शन, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों को रोकने की मांग

मुरादाबाद- अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल महानगर के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर जमकर नाराबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इसमें उन्होंने बांग्लादेश में चल रही हिंसा के दौरान हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई। साथ ही जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया। ज्ञापन क माध्यम से हिंदुओं पर हो रहे हमलों को रोकने की मांग की। राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सेना ने कहा कि बांग्लादेश में बड़े हिंसक उग्र आंदोलन के कारण संपूर्ण कानून व्यवस्था खराब हो गई है।

भारत सरकार सभी घटनाओं के प्रति जागरुक है। राष्ट्रीय सुरक्षा की बैठक भी हो गई है और बीएसएफ भी अलर्ट है। बांग्लादेश में आंदोलन करने वालों में बड़ा हिस्सा भारत विरोधी, हिंदू विरोधी, ऐसे समुदाय का है। इस आंदोलन में जानबूझकर हिंदुओं को निशाना बनाकर जगह-जगह पर हिंदुओं पर हमले, घरों को लूटना, जलाना, मंदिर तोड़ना, मूर्तियां तोड़ना और हिंदुओं की हत्या का तांडव चल रहा है। भारत सरकार सभी स्थिति पर नजर बनाए रखकर कदम उठा रही है, उसका अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद स्वागत करती है। लेकिन भारत सरकार तुरंत बांग्लादेश के सेना प्रमुख से बात करके हिंदुओं की रक्षा करे। ज्ञापन देने वालों में अमन सैनी, दीप खुराना, महेंद्र, शिवम, रवि, संदीप, कल्वेश, विकास, रवि मुकेश आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लक्ष्य से कोसों दूर स्वास्थ्य विभाग, चार माह में सिर्फ 10 पुरुष, 750 महिलाओं की नसबंदी

♦ जनसंख्या स्थिरीकरण : कुंदरकी व ताजपुर सीएचसी ने चार महीने में एक भी पुरुष की नसबंदी नहीं की, नसबंदी मामले में जिले की स्थिति बहुत खराब

मुरादाबाद- नसबंदी के मामले में स्वास्थ्य विभाग काफी पीछे है। जुलाई माह में जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए जागरूकता अभियान चला। लेकिन, एक से 31 जुलाई के बीच जनसंख्या स्थिरीकरण अभियान में केवल एक पुरुष और 317 महिलाओं की नसबंदी हुई है। अप्रैल से जुलाई तक 10 पुरुष और 750 महिलाओं की नसबंदी हो पाई है। वैसे अप्रैल से मार्च तक 74 पुरुषों और 4410 महिलाओं की नसबंदी का लक्ष्य मिला था। नसबंदी के लिए महिला-पुरुष को तैयार कर पाना स्वास्थ्य विभाग के लिए मुश्किल पड़ रहा है। ऐसे में निर्धारित लक्ष्य पूरा कर पाने में भी सफलता कठिन ही लग रही है। इस मामले में कुंदरकी व ताजपुर सीएचसी का हाल ही बहुत खराब है। यहां क्षेत्र में पुरुष नसबंदी शून्य है, महिला नसबंदी में भी जिले में सबसे पिछड़ी सीएचसी कुंदरकी ही है। कुंदरकी में 21 और ताजपुर सीएचसी क्षेत्र की 28 महिलाओं की नसबंदी हुई है। सभी नौ सीएचसी में महिला-पुरुष नसबंदी के मामले में ठाकुरद्वारा सीएचसी अव्वल है। इसने तीन पुरुष और 49 महिलाओं की नसबंदी कर ली है। इसी तरह कांठ सीएचसी क्षेत्र में दो पुरुष व 38 महिलाओं की नसबंदी हुई है। भोजपुर ने 42, डिलारी ने 32, मूंढापांडे ने 22, बिलारी ने 25 और अर्बन ने 493 महिलाओं की नसबंदी करने में कामयाबी पाई है। इन सभी सीएचसी ने केवल एक-एक पुरुष को नसबंदी के लिए तैयार किया, उनकी नसबंदी की है। लाभार्थी, आशा और डॉक्टर को मिलती प्रोत्साहन राशि- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुवीर सिंह ने बताया कि नसबंदी के मामले में लाभार्थी, आशा और डॉक्टर को भी प्रोत्साहन राशि मिलती है।

इसमें यदि महिला नसबंदी कराती है तो उसे 2,000 रुपये और आशा को 300 रुपये मिलते हैं। इसी तरह पुरुष की नसबंदी पर लाभार्थी को 3,000 रुपये और आशा को 400 रुपये मिलते हैं। नसबंदी करने वाले डॉक्टर को भी 200 रुपये प्रति केस भुगतान होता है।लक्ष्य के सापेक्ष नसबंदी की प्रगति बहुत कम है। कुंदरकी सीएचसी की प्रगति बिल्कुल बेकार है। इसीलिए यहां के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस भी दिया गया है। नसबंदी की प्रगति तब बढ़िया होगी, जब इसमें सीएचसी-पीएचसी अधीक्षक खुद रुचि लेकर आशाओं को भी जन जागरूकता के लिए प्रेरित करें, उनकी समस्या को समझें और सहयोग करें।- रघुवीर सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक-एनएचएम

नसबंदी में लक्ष्य पूरा करना मुश्किल

वर्ष	लक्ष्य	नसबंदी हुई
2023-24	70 (पुरुष)	38
	4200 (महिला)	3811
अप्रैल-जुलाई 2024	74 (पुरुष)	10
	4410 (महिला)	750

नोट : उक्त आंकड़े सीएमओ कार्यालय के हैं।

संक्षिप्त समाचार

हेपेटाइटिस सी के बढ़ रहे रोगी, जांच कराने को ब्लड बैंक में उमड़ रही भीड़...चिकित्सक परेशान

मुरादाबाद- जिले में हेपेटाइटिस सी के रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो एक बड़ी चिंता का विषय है। इन रोगियों की भीड़

को देखकर चिकित्सक भी परेशान हैं। रोजाना 25 से 30 रोगी हेपेटाइटिस सी के पे जा रहे हैं। इस तरह महीने में 400-500 के करीब रोगियों में हेपेटाइटिस सी के लक्षण होने की पुष्टि हो रही है। इन रोगियों की जांच ब्लड बैंक में होती है। इनके संबंध में ऑनलाइन पोर्टल पर रिकॉर्ड भी एकत्र किया जा रहा है। हालांकि डॉक्टर एनके मिश्र का कहना है कि हेपिटाइटिस वायरस लोड की जांच बीएसएल 2 लैब में निशुल्क से की जाती है। उन्होंने बताया कि हेपेटाइटिस सी करोगी लगातार 3 महीने तक दवा लेने से रोग मुक्त हो जाता है, लेकिन दवा लेने में उसे कोई लापरवाही नहीं करनी होगी। उन्होंने बताया कि हेपेटाइटिस सी के रोगियों की बढ़ती संख्या का कारण इंजेक्शन की सिरेंज भी है। ग्रामीण क्षेत्र के झोलाछाप रोगियों को इंजेक्शन लगाने के दौरान पुरानी सिरिंज का ही इस्तेमाल करते हैं, जो आगे चलकर हेपेटाइटिस सी का कारण बन जाती है। इसी तरह दूषित ब्लड चढ़ाने से भी कुछ समय बाद संबंधित व्यक्ति में हेपेटाइटिस सी का प्रभाव हो जाता है।

साइबर अपराधियों को शिकस्त देने में माहिर होंगे नए डीएसपी, देश और विदेश से आए एक्सपर्ट ने दी ट्रेनिंग

मुरादाबाद- यूपी पीसीएस के जरिए चयनित 73 डिप्टी एसपी का 90वां बैच 21 सितंबर 2023 को डॉ. बीआर आंबेडकर पुलिस अकादमी में ट्रेनिंग के लिए पहुंचा। नए दौर के साइबर अपराध से निपटने के लिए इन्हें दिल्ली, हैदराबाद और विदेश से आए साइबर एक्सपर्ट ने विशेष ट्रेनिंग दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस को अगले माह मिलने जा रहे नए डीएसपी साइबर हथियारों से लैस होंगे। अपराध की दुनिया के बदलते परिदृश्य को देखते हुए साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने की इन्हें विशेष ट्रेनिंग दी गई। माना जा रहा है कि इससे प्रदेश में ऐसे अपराधों में कमी आएगी। जनपदों में इन तैनाती से विभाग को तो मदद मिलेगी ही साथ ही यह अपने अनुभव से नए पुलिस कर्मियों को भी साइबर अपराध से निपटने की ट्रेनिंग दे सकेंगे।यूपी पीसीएस के जरिए चयनित 73 डिप्टी एसपी का 90वां बैच 21 सितंबर 2023 को डॉ. बीआर आंबेडकर पुलिस अकादमी में ट्रेनिंग के लिए पहुंचा था। करीब 12 माह से इन्हें आउट डोर और इंडोर की ट्रेनिंग दी गई। फायरिंग, घुड़सवारी, थाना प्रबंधन, पुलिस टीम का नेतृत्व, दंगा नियंत्रण, विवेचना, घटनास्थल का निरीक्षण करना, विधि विज्ञान समेत अन्य मामलों के लिए प्रशिक्षित किया गया। इसके अलावा नए दौर के साइबर अपराध से निपटने के लिए इन्हें दिल्ली, हैदराबाद और विदेश से आए साइबर एक्सपर्ट ने विशेष ट्रेनिंग दी है।इन्हें सिखाया गया है कि हैकर कैसे साइट्स हैक करते हैं। साइट्स को कैसे सुरक्षित रखना है। अगर हैकर पूरा सिस्टम हैक कर लेते हैं तो डाटा कैसे सुरक्षित बचना है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया पर बनी आईडी कैसे हैकरों से बचाई जा सकती है। इसके अलावा मोबाइल ट्रेस करने और डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट के बारे में विस्तार से बताया गया है। इनसे निपटने के लिए डीएसपी तैयार किए गए हैं। पासिंग आउट परेड में शामिल हो सकते हैं सीएम- डीएसपी के 90 वें और 91 वें बैच की ट्रेनिंग पुलिस अकादमी में चल रही है। 90 वें बैच की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है। अगले माह पहले सप्ताह में पासिंग आउट परेड हो सकती है। पुलिस अकादमी में पासिंग आउट की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। परेड में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आ सकते हैं। तीनों नए कानून में निपुण होंगे डीएसपी 73 डीएसपी को पुराने कानून के साथ ही तीन नए कानून भी पढ़ाए गए हैं। इस बैच की ट्रेनिंग 21 सितंबर 2023 से शुरू हो गई थी। तब पुराने कानून पर ही पुलिस कार्य कर रही थी लेकिन एक जुलाई 2024 को तीनों नए कानून लागू हो गए हैं। ऐसे में यह पहला बैच होगा। जो पुराने और नए कानून पढ़ने के बाद फील्ड में उतरेगा। नए कानून में डिजिटल साक्ष्य की अहम भूमिका रहती है। इसके अलावा घटनास्थल से बिना कोई छेड़छाड़ उसका निरीक्षण किया जाता है। इन्हें डीप फेक और एआई और डिजिटल अरेस्ट के बारे में पढ़ाया गया है। डीएसपी के नए बैच को बदलते दौर के साइबर अपराध से निपटने के लिए विशेष ट्रेनिंग दी गई है। इस बैच से विभाग को तो मजबूती मिलेगी ही साथ ही नए पुलिस कर्मियों को साइबर अपराध की बारीकियां भी डीएसपी बताएंगे। इसके अलावा इस बैच को नए और पुराने दोनों कानून पढ़ाए गए हैं। -बाबूराम, डीआईजी, पुलिस अकादमी

अपनी मर्जी...सील तोड़ हेल्थ केयर क्लीनिक किया संचालित, मौके पर पहुंचे डिप्टी सीएमओ

♦ नायब तहसीलदार व पुलिस की मौजूदगी में 23 दिन के अंतराल में दोबारा की कार्रवाई, क्लीनिक में ऑपरेशन थियेटर, पैथोलॉजी भी, सीएमओ कार्यालय में पंजीयन तक नहीं

मुरादाबाद- मुरादाबाद। रोगियों के जीवन से खिलवाड़ करने वालों में कार्रवाई का कोई भय नहीं है, उनकी अपनी मर्जी है। जी हां, अभी 23 दिन पहले ही महानगर में कोहिनूर तिराहा पर रहमत नगर गली-4 में अवैध रूप से संचालित सलमा नासिर हेल्थ केयर एवं पैथोलॉजी लैब को डिप्टी सीएमओ ने सील किया था। यही नहीं, 19 जुलाई को मझोला थाने में आरोपियों के विरुद्ध इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट में मामला भी दर्ज कराया था। लेकिन, निडर संचालक ने पुरानी सील तोड़ दी और उसी भवन में फिर से रोगियों को भर्ती कर उपचार करने लगा था। खबर मिलने पर गुरुवार को पुलिस व प्रशासन के साथ मौके पर पहुंचे डिप्टी सीएमओ डॉ. नरेंद्र कुमार को वहां चार रोगी भी भर्ती मिले हैं। डिप्टी सीएमओ ने इस क्लीनिक को दोबारा सील किया है और मझोला थाने में फिर दूसरी एफआईआर दर्ज कराने को तहरीर दी है। इस कार्रवाई में डिप्टी सीएमओ के साथ ही नायब तहसीलदार पल्लवी और पुलिस बल भी मौजूद था। उन्होंने बताया कि सलमा नासिर हेल्थ केयर एवं पैथोलॉजी का सीएमओ कार्यालय में कोई पंजीकरण नहीं है और न ही इनके द्वारा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी कार्यालय से किसी तरह का पंजीकरण कराया गया है। हेल्थ केयर में कोई भी प्रशिक्षित चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ नहीं पाया गया है। उन्होंने बताया कि 8 अगस्त को हुए निरीक्षण के समय भवन के बेसमेंट के ऊपरी तल पर चार रोगी भर्ती पाए गए हैं। इससे पहले 16 जुलाई को किया था सील-डिप्टी सीएमओ डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस क्लीनिक के विरुद्ध काफी शिकायतें मिल रही थीं। जिस पर उन्होंने 16 जुलाई को निरीक्षण किया था। क्लीनिक में आरिफ पुत्र रियासत निवासी जयंतीपुर ब्लड सैंपल एकत्र करते मिला था। पूछताछ में उसने अपनी उम्र 18 वर्ष और 11वीं कक्षा का छात्र होना बताया था। क्लीनिक में मिली शना पुत्री यूनुस निवासी डींगरपुर ने अपने को खाना बनाने का कार्य करना बताया था। यहीं पर, स्वाले खां पुत्री मुखिया निवासी डींगरपुर ने अपनी शैक्षिक योग्यता बीएससी बताई थी। मौके पर मो. आसिम पुत्र भुल्लन भी मिला था। यह जयंतीपुर का निवासी है। इसने पूछताछ में बताया था कि वह हेल्थ केयर एवं पैथोलॉजी लैब में डीएमएलटी और लैब टेक्नीशियन का कार्य करता है। क्लीनिक में 8 बेड पाए गए थे। एक बेड एनआईसीयू, फिजियोथेरेपी मशीन एवं ओटी भी संचालित मिली थी। डिप्टी सीएमओ ने बातया कि उस दौरान भी स्टॉफ ने उन्हें सलमा नासिर को अस्पताल की संचालक बताया था। अवैध क्लीनिक में कराए जाते थे प्रसव- डिप्टी सीएमओ डॉ. नरेंद्र कुमार ने बताया कि 16 जुलाई को निरीक्षण के दौरान मौके पर पैथोलॉजी लैब संचालित होते मिली थी। इसमें एक लेटर पैड मिला था। इस लेटर हेड पर डॉ. मोहम्मद आसिम डीएमएलटी और डॉ. के. कुमार एमडी पैथोलॉजी के नाम अंकित हैं। हालांकि ये लोग डिप्टी सीएमओ को मौके पर मौजूद नहीं मिले थे। पैथोलॉजी में ब्लड कलेक्शन ट्यूब, माइक्रोस्कोप, सेन्ट्रीफ्यूज, ब्लड रोलर, सेल काउंटर, मॉनिटर आदि सामान भी मिला था। दो मरीज भी भर्ती थे। इनमें मुस्कान पत्नी शिवम सैनी, जो गर्भवती थी। वह 15 जुलाई को भर्ती हुई थी। इसने 16 जुलाई को दोपहर 3 बजे करीब बेटे को जन्म दिया था। दूसरी मरीज करिश्मा पत्नी दानिश निवासी पंडित नगला टाइफाइड होने की शिकायत पर भर्ती हुई थी।

दहेज के लिए विवाहिता से सामूहिक दुष्कर्म, पति समेत पांच पर रिपोर्ट दर्ज

मुरादाबाद- नागफनी थाना क्षेत्र में दहेज के लिए देवरों ने विवाहिता के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद ससुराल वालों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र की निवासी महिला ने दी तहरीर में बताया है कि उसकी शादी पिछले साल कटघर के डबल फाटक निवासी युवक से हुई थी। शादी में हैसियत के हिसाब से दहेज दिया था। शादी के कुछ ही समय बाद ससुराल वाले और देवर दहेज की मांग करने लगे। विरोध करने पर ताने देते थे साथ ही मारपीट भी करते थे। महिला ने इसकी जानकारी मायके वालों को दी। मायके वालों ने ससुराल वालों को समझाया, फिर भी नहीं माने। विवाहिता का आरोप है कि दो फरवरी को वह घर में अकेली थी। इसी दौरान शराब के नशे में दोनों देवरों ने उसे दबोच लिया। विरोध करने पर मारपीट करने लगे। फिर दोनों ने मिलकर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों ने मारपीट की और पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देकर घर से निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना प्रभारी उमाशंकर ने बताया है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शादी के बाद से प्रताड़ित कर रहे थे ससुराल वाले, देवरों ने दिया वारदात को अंजाम

शादी के बाद से प्रताड़ित कर रहे थे ससुराल वाले, देवरों ने दिया वारदात को अंजाम

KTUN NA LIKHUN SACH

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .

उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली

,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान

आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला

ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बागीश्वरी साहित्य परिषद ने नगर पालिका के ब्रांड एमबेस्डर ई राजीव रेजा को सम्मानित किया

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) नगर की सबसे बड़ी साहित्यिक संस्था श्री बागेश्वरी साहित्य परिषद के द्वारा बुधबार को गुप्तेश्वर मंदिर पर माह मे होंने वाली गोष्ठी में अतिथि के रूप नगर पालिका परिषद के ब्रांड एम्बेसडर ई राजुव रेजा को आमंत्रित किया गया था गोष्ठी के उपरांत नगर में पर्यावरण के क्षेत्र में लगभग दो सौ वृक्ष लगा कर श्रेष्ठ कार्य करने पर संस्था के द्वारा ई राजीव रेजा का अंग वस्त्र प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष मयंक मोहन गुप्त आसाराम मिश्रा नंदराम स्वर्णकार संतोष राजेश गोस्वामी राजेंद्र रसिक डॉक्टर हरि मोहन गुप्ता मुन्ना लाल यादव कालीचरण सोनी रामजीलाल अग्रवाल चित्तर सिंह निरंजन जोगिंदर सिंह फौजी संजय सिंघाल प्रेम चौधरी नदीम आदि साहित्यकार उपस्थित रहे इस अवसर पर अतिथि के रूप में अशोक सूर्य का भी सम्मान किया गया

नाग पंचमी को शिवालय मे पूजन करने से अनेक व्याधियां दूर होती है- ब्रजेंद्र मिश्रा शास्त्री

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच(जालौन) नगर के विद्वान पं ब्रजेंद्र मिश्रा शास्त्री जी ने एक जानकारी मे बताया है की इस बार नो अगस्त दिन शुक्रवार को पड़ रही है इस लिए नाग पंचमी को हमे शिवालय में भगवान शिव एवं उनके परिवार का विधिवत पूजन करना चाहिए और गाय के कच्चे दूध एवं सुगंधित जल तथा गंगाजल या तीर्थ जल से अभिषेक करना चाहिये और यदि आपकी जन्म कुंडली में कालसर्प दोष या पितृदोष या राहु, केतु या शनि ग्रह का प्रभाव हो तो किसी बड़ी नदी के समीप उसकी शांति कराना चाहिए घर के मुखिया को श्रृद्धा एवं दान भी करना चाहिए कालसर्प योग मुख्यत: बारह प्रकार के होते हैं तथा आंशिक कालसर्प योग एक सो चबालीस प्रकार के होते हैं यदि जन्म कुंडली में सर्पयोनि हो तो आंशिक कालसर्प योग की शांति कराना बहुत ही जरूरी है और शरीर में रोग का प्रभाव हो तो पंचामृत एवं गुर्च समर्पित करना चाहिए इस दिन शिवालय में दीप दान करना कर पूजा करनी चाहिए और नागराज तथा उनके स्वामी भोलेनाथ की पूजा अर्चना विधि विधान से करना चाहिए और नो अगस्त दिन शुक्रवार को बहुत अच्छा योग बन रहा है यदि भक्त भाव से उन का पूजन अर्चन करे तो उनकी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण हो जाती है धन की प्राप्ति होती है आयु में वृद्धि होती है इसलिए जो भी शिवालय समीप हो प्रसन्नता पूर्वक गौ धूलि बेला या प्रदोष काल में भगवान शिव जी का पूजन अर्चन करना होगा उनकी प्रिय वस्तु को समर्पित करना चाहिए तथा महामृत्युंजय या मृत्युंजय या त्र्यक्षरी मंत्र का जप करना चाहिए एवं भगवान शिव के आराध्य श्री राम जी के मंत्र का जप करना चाहिये उन्होंने सनातन प्रेमियो से कहा की नाग पंचमी के दिन नाग के दर्शन शुभ होते है

डाकघर में बड़ा फर्जीवाड़ा: उपभोक्ता ने खाते में जमा किए थे 17.85 लाख रुपये, पूरी रकम हो गई गायब; दर्ज हुआ केस

मैनपुरी के गांव भोजपुरा के डाकघर में उपभोक्ता से 17.85 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। खाते से उसकी रकम गायब हो गई। पीड़िता पर इस मामले में किसी से शिकायत न करने का दबाव बनाया गया। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मैनपुरी के गांव भोजपुरा निवासी एक उपभोक्ता से डाक घर स्थित खाते से 17.85 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। खाते में जमा किए गए रुपये गायब होने की जानकारी हुई तो उन पर शिकायत न करने का दबाव बनाया गया। पीड़ित ने न्यायालय के आदेश पर प्रधान पोस्ट मास्टर, लिपिक सहित अन्य कर्मियों के विरुद्ध कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।कोतवाली क्षेत्र के गांव भोजपुरा निवासी रामसरन राजपूत ने बताया कि उन्होंने प्रधान डाकघर में वर्ष 2007 में अपना खाता खुलवाया था। इसके बाद से वह व पत्नी वीरा राजपूत खाते का संयुक्त रूप से संचालन कर रहे थे। 28 जुलाई 2023 को को अंतिम बार 6.10 लाख रुपये जमा किए गए थे। उनके खाते में कुल 17.85 लाख रुपये जमा थे।इसकी एंट्री उनकी पास बुक में दर्ज है। इस बीच रुपये की आवश्यकता पड़ने पर जब डाक घर गए तो लिपिक ने बताया कि खाता संख्या पर जीवन कुमार सिंह का नाम आ रहा है। खाते में 94524 रुपये शेष हैं। जब इस बारे में पोस्ट मास्टर से कहा तो उन्होने कहा कि अभी कोई कानूनी कार्रवाई न करना। हम आपका पूरा रुपया जल्द से जल्द वापस कर देंगे। उन्होने कोतवाली में शिकायत दी लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया था। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने प्रधान पोस्ट मास्टर विवेक, लिपिक जीवन कुमार सिंह, लिपिक कुंदन, लिपिक उमेश व अन्य कर्मी पर 17.85 लाख रुपये गबन करने का मुकदमा दर्ज करने के बाद जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

डीएम एसपी ने एसएसबी और नेपाल एपीएफ के साथ भारत नेपाल सीमा का किया दौरा

क्यूँ न लिखूँ सच-प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती।- जनपद में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने सशस्त्र सीमा बल एसएसबी और नेपाल सशरव पुलिस बल एपी एफ के अधिकारियों के साथ भारत-नेपाल सीमा का दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेना और सीमावर्ती ग्रामीणों की समस्याओं को समझना था। जिलाधिकारी ने भारत नेपाल सीमा के सीमा स्तंभों, नो मैन्स लैंड, सीमा पर स्थित एसएसबी की चौकियों और सुरक्षा बिंदुओं का निरीक्षण किया और वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जरूनी दिशा-निर्देश दिए और सीमा पर होने वाली गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता पर बाल दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा, सीमा की सुरक्षा हमारे देश की प्राथमिकता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सीमा पर हर प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोका जा सके। एस.एस.बी और नेपाल एपी एफ के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग से हम सीमा की सुरक्षा को को और मजबूत कर सकते है। जन चौपाल का आयोजन और ग्राम सुरक्षा समिति की मीटिंग कर सीमावर्ती ग्रामीणों से मुलाकात की और उनके हाल चाल जाने। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं और चिंताओं को सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने। का आश्वासन दिया। श्रावस्ती जिलाधिकारी ने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले हमारे ग्रामीणों की सुरक्षा और कल्याण हमारी जिम्मेदारी है। हम उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। एस.एस.बी और नेपाल एपी एफ के अधिकारियों ने भी सीमा क्षेत्र में वर्तमान सुरक्षा स्थिति और भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने सीमा पर सुरक्षा उपायों को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक संसाधनों और प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान एसएसबी से निरुपेश कुमार, उप कमान्डेंट, सोनू कुमार उप कमांडेंट, अनुभव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी भिनगा, घनश्याम चौरसिया, पुलिस अधीक्षक श्रावस्ती और अन्य प्रशासन के अधिकारी, एसएसबी जवान, नेपाल एपी एफ के अधिकारियों के साथ अन्य एपी एफ जवान उपस्थित रहे।

पहली बार महिला संघ शाखा शुरू हुई यह प्रसन्नता का विषय - डा नीता रेजा

क्यूँ न लिखूँ सच-राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) - सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मंडी कोंच मे राष्ट्रीय स्वयं सेविका संघ शाखा का शुभारंभ हो गया जिसमे नगर की समाजसेविका/ विद्यालय की उपाध्यक्ष डॉ नीता रेजा मुख्य अतिथि रही सर्वप्रथम ध्वज लगाकर विद्यालय की प्रधानाचार्या आभा तिवारी, शिक्षिका नीतू गर्ग ने सभी के साथ ध्वज प्रणाम किया एवं संघ वंदना की मुख्य अतिथि डॉ नीता रेजा ने अपने उद्बोधन मे संघ का महत्त्व और समर्पण की भावना को समझाया और कहा की अभी तक नगर मे राष्ट्रीय स्वयं सेविका संघ की महिला शाखा शुरू नहीं हुयी थी ये एक अच्छी पहल है विद्यालय की प्रधानाचार्या आभा तिवारी ने बताया की लक्ष्मी वाई केलकर शाखा का आरंभ विद्यालय मे हुआ इस शाखा को माह मे दो बार लगाया जायेगा जिसमे विद्यालय आचार्या, नगर की महिलाये रहेगी इस शाखा मे प्रभा गुप्ता, सरला मिश्रा,आकांक्षा सिंह, राधा दुबे,रंजना तिवारी, शुर्ति गुप्ता, शिवानी सिंह, वंदना अवस्थी, रौली मिश्रा, पूजा राठौर सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा

लोहिया वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष फरहत उल्ला महोबा जिले के प्रभारी बने

क्यूँ न लिखूँ सच
राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) समाजवादी पार्टी की विंग्स लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष राम करन निर्मल ने संगठन को और अधिक सक्रिय करने के उद्देश से जिले के युवाओ के नेता और लोहिया वाहिनी के प्रदेश उपाध्यक्ष फरहत उल्ला मोहम्माबाद को महोबा जिले का प्रभारी नियुक्त किये जाने पर कोंच मे भी समाजवादी पार्टी से जुड़े नेताओ मे खुशी की लहर देखी गई है समाज वादी पार्टी से जुड़े नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह जिला सचिव राजेंद्र सिंह निरंजन राजू चमरसेना अमखेड़ा हाजी रहम इलाही कुरेशी प्रतिपाल सिंह गुर्जर बद्दू भैया अनिल वेद मनीला सिंह रोली ममता सिंह कुशबाहा रश्मि पाल युथ बिग्रेड के जिलाध्यक्ष छोटू टाइगर सभासद माधव यादव सभासद मनोज इकडया सभासद रिजवाँन कुरेशी सभासद रघुवीर कुशवाहा डा शिवम यादव नसीम निहारिया शिवम गुर्जर ख्ककल्ल विष्णु यादव राम जी पटेल आत्म प्रकाश भदोरिया शांतनु यादव लाल जी पटेल राजू महाराज चांदनी मंत्री पटेल धनौरा बॉबी वर्मा ऋषि यादव गोरव गुर्जर आदि नेताओ ने खुशी जताई है

एसडीएम ने ग्राम विलाया के उच्च माध्यमिक विधालय का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच-पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच एसडीएम ज्योति सिंह ग्राम बिलायां में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया और एसडीएम के पहुँचते ही हड़कम्प मच गया एसडीएम ने स्कूल के मौजूद छात्र छात्राओ से बात की तो उन्हें बताया है कि इस स्कूल में कोई खेलकूद का कोई सामान मौजूद नही है और जो अनुदेशक सौरभकुमार यहां नियुक्त है वह कभी विद्यालय ही नही आते है और एमडीएम योजना के बारे मे जानकारी की तो बताया गया की यहाँ पर सरकार का जो मैन्यू है और जो यहां लिखा हुआ है उसके अनुसार खाना नही बनता है और न ही दिया जाता है और उन्हें कभी घी दूध यहां तक कि फल भी नही मिलते है इस स्कूल के छात्र छात्राओ ने यह भी बताया है की उन्हें कोई कमी बताये जाने पर पर उन्हें डराया धमकाया भी जाता है एसडीएम ने कहा की बच्चों को अपना मोबाइल नम्बर दिया और कहा कि अगर कोई उन्हें डराये धमकाये तो उन्हें तुरंत फ़ोन करे इस दौरान तहसीलदार बीरेन्द्र प्रसाद गुप्ता भी मौजूद रहे है एसडीएम ने बताया कि विद्यालय में जो भी कमियाँ मिली है उनके निस्तारण के लिए बीएसए को पत्र भेजा गया है ताकि कमी दूर की जा सके

सेल्समैन से 18 हजार रुपये और सिगरेट से भरा थैला लूटा, आरोपी सीसीटीवी में कैद

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली जलालाबाद जिले में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। बुधवार की शाम कस्बे में दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर पुराने बस स्टैंड पर चाय की दुकान पर रखे थैले को बाइक सवार दो बदमाशों ने लूट लिया। इसमें करीब 18 हजार रुपये, सिगरेट थी। दोनों आरोपी सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। शामली निवासी सिगरेट सेल्समैन सोनू कुमार, रोहित कुमार जलालाबाद में दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे पर पुराने बस स्टैंड के निकट इंद्रा द्वार स्थित मारूफ टी स्टाल पर बुधवार की देर शाम सिगरेट की सप्लाई के लिए पहुंचे थे । सिगरेट की सप्लाई मारूफ को देने के लिए थैले को दुकान पर ही बैंच पर रख दिया। आरोप है कि इसी बीच बाइक पर सवार होकर एक बदमाश पहुंचा और बैग को उठाकर साथी के साथ बाइक पर सवार होकर फरार हो गया। शोर शराबा होने पर बदमाश मौके से फरार हो चुके थे। दोनों बदमाश पास में ही लगे सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। टीमें बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही हैं।

रामबाबू अग्रवाल बाबू जी का हृदय गति रुक जाने से अकसमात निधन भारी शोक की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच
राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) नगर के मोहल्ला लाजपत नगर निवासी भारतीय जनता पार्टी की जिला मंत्री अंजू अग्रवाल के पति समाजसेवी राम बाबू अग्रवाल का हृदय गति रुक जाने से अकस्मात निधन होने की सूचना प्राप्त हुई है इस दुखद सूचना पर नगर मे भारी शोक की लहर है इस घटना को लेकर कई राजनेतिक दलो से जुड़े लोग उनके आवास पर जाकर शोक संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए पहुँच रहे है

पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर कोर्ट मे पेश किया

क्यूँ न लिखूँ सच
पवन कुमार

कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगाँव के एस ओ अशोक कुमार वर्मा के निर्देश पर उनकी पुलिस टीम द्वारा आज गुरुवार को मुकदमा अपराध संख्या- 0075/2024 धारा 64/ 115(2)/352/ 351(2) बी एन एस से सम्बन्धित अभियुक्त चन्द्रभान बसोर पुत्र पुनू बसोर निवासी ग्राम घिलौर थाना नदीगांव जनपद जालौन उम्र करीब 45 वर्ष को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर न्यायालय उरई के समक्ष पेश करने हेतु भेजा गया है

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सिर्फ सात महीने में हादसों में 274 लोगों ने गंवाई जान

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ तालानगरी में में सड़क दुर्घटना एक बड़ी समस्या बन गई है। नेशनल हाईवे से लेकर सर्विस रोड पर भी दुर्घटनाओं का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। सड़क दुर्घटना की वजह से कई लोग असमय काल के गाल में समा चुके हैं। फिर भी सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इस साल मात्र सात महीने में ही लगभग तीन सौ लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं छह सौ से अधिक लोग घायल हुए। हादसों की पीछे वाहन चालकों की यातायात नियमों की अनदेखी व तेज रफ्तार प्रमुख कारण बनी हुई हैं। जिले की यातायात विभाग के आंकड़ों पर गौर करें, तो हादसों में मरने वाली संख्या चौंकाने से कम नहीं हैं। इस साल जुलाई माह तक सड़क दुर्घटनाओं में 274 लोगों की मौत हो गई। अफसोस इसके बाद भी हादसे थम नहीं रहे हैं। जिले में कुल 15 ब्लैक स्पॉट जिला प्रशासन की ओर से कुल 15 ब्लैक स्पॉट हैं। इसमें नेशनल हाईवे पर कुल नौ कासिमपुर मोड़, खेड़ानारायण सिंह, खैरेश्वर चौराहा, बोनेर तिराहा, अर्राना, गौमत, अंडला, जट्टारी व नायरा पेट्रोल पंप के समीप नगौला के अलावा स्टेट हाईवे पर ओरनी दलपतपुर को ब्लैक स्पॉट चिह्नित किया गया है। इसके अलावा सर्विस रोड पर तेक्थू, गणेशपुरा तिराहा, बीयर फैक्ट्री अतरौली, कोडियागंज चौराहा, सिहोर बम्बा पनैठी शामिल हैं।

दहेज के लिए पत्नी की जलाकर हत्या में पति को 10 वर्ष कारावास

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद में 12 वर्ष पहले दहेज के लिए महिला की जलाकर हत्या के मामले में एडीजे फास्ट ट्रैक प्रथम अंजू राजपूत की अदालत ने दोषी पति को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। 15 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। एडीजीसी सुधांशु अग्रवाल ने बताया कि कासगंज के अमांपुर क्षेत्र के अर्जुनपुर कदीना की सरोज देवी ने 27 अप्रैल 2009 को बेटी पिंकी की शादी अकराबाद के गांव जसरथपुर में जितेंद्र राघव से की थी। कुछ दिन बाद ही दहेज में बाइक व प्लाट की मांग कर ससुरालीजन पिंकी को परेशान करने लगे। पिंकी अपनी मां की खातिर अत्याचार सहती रही। सितंबर 2012 में पति जितेंद्र व अन्य ने सरोज को धमकी दी कि अगर दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो पिंकी की जान से हाथ धोना पड़ेगा। 16 सितंबर 2012 को ससुरालियों ने पिंकी की गला दबाकर हत्या कर दी। सुबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को जला दिया। गांव के लोगों के माध्यम से सरोज को सूचना मिली। वह गांव पहुंचीं तो बेटी का शव तक देखने को नहीं मिला। ससुरालियों ने फर्जी समझौतानामा बनाकर रिश्तेदारों को भगा दिया। थाने में सुनवाई न होने पर सरोज ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत ने आदेश पर जितेंद्र, उसकी मां शशि व पिता जगदीश के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत हुआ। तीनों के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया गया। अदालत ने साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर जितेंद्र को दोषी करार देते हुए निर्णय सुनाया। शशि व जगदीश को दोषमुक्त करार दिया।

सुरेंद्र उपाध्याय बने युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव बने

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - विकास खंड के गांव दभा निवासी सुरेंद्र

उपाध्याय को उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पारस शुक्ला ने युवक कांग्रेस का प्रदेश सचिव मनोनीत किया है। युवा कांग्रेस में लंबे समय से कार्य कर रहे सुरेंद्र के प्रदेश सचिव बनने पर प्रदेश उपाध्यक्ष जियाउर्रहमान एड, कांग्रेस के प्रदेश सचिव राजेश राज जीवन, किरनपाल बघेल, पूर्व महासचिव खालिद हाशमी, आरिफ खान, दीपक कुमार, नावेद खान आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

आया सावन झूम के रस्तोगी समाज की महिलाओं ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली - हरियाली तीज के मौके पर रस्तोगी समाज की महिलाओं और युवतियों ने आज रेस्टोरेंट

डेराखास गांधीनगर में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में रस्तोगी समाज की महिला और युबतियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया कार्यक्रम

संयोजक विनीता रस्तोगी और कार्यक्रम का संचालन वंदना रस्तोगी ने किया इस मौके पर संध्या रस्तोगी भूमिका रस्तोगी, निष्ठा रस्तोगी ,मीनाक्षी ,प्रिया काजल रस्तोगी ,मौजूद रहे ।।

संयुक्त किसान मोर्चा ने किया एसडीएम कार्यालय का घेराव

क्यूँ न लिखूँ सच

मध्य प्रदेश किसान सभा के जिला महासचिव शिवराम सिंह बडहरी ने कहा विधानसभा चुनाव में सरकार द्वारा दी गई गारंटी ?3100 प्रति कुंटल धान की एमएसपी तय जाए व क्षेत्र में बिजली विभाग

द्वारा किसानो की लूट पर रोक लगाई जाए एवरेज बिल के नाम पर 2500 से ?5000 भेजे जा रहे प्रति महीना बिल पर रोक लगाई जाए ग्राम बडहरी के दोनों जले हुए ट्रांसफार्मर तुरंत बदले जाए आवारा पशुओं द्वारा किसानो की फसल चौपट हो रही है सभी ग्राम पंचायत में गौशालाओं का निर्माण कराया जाए एवं बंद गौशाला तुरंत चालू करवाए जाएं 10 जुलाई 2010 तात्कालिक मुख्यमंत्री के घोषणा अनुसार लिलजी बांध में खेती कर रहे किसानों को मालिकाना हक दिया जाए व लिलजी बांध में खेती कर रहे हैं किसने को धान विक्रय पंजीयन कराया जाए बडहरी झिरिया पहुंच मार्ग कच्चा रास्ता को लोक निर्माण विभाग में जोड़कर पक्की बनाई जाए ग्राम पंचायत जमुना में डालमिया कंपनी द्वारा किसानों से खरीदी जा रही जमीन कि रजिस्ट्री हिंदी में कराया जाए आदि समस्याओं को लेकर सभा कर सात सूत्री ज्ञापन पत्र अनुविभागीय अधिकारी रामपुर बघेलान के नाम तहसीलदार राय सिंह कुशराम व नायब तहसीलदार वीरेंद्र सिंह को सौपा गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला संयोजक के के शुक्ला किसान सभा जिला महासचिव शिवराम सिंह किसान यूनियन प्रदेश प्रवक्ता दयाशंकर द्विवेदी किसान सभा ब्लॉक अध्यक्ष रामराज सिंह इंजी आशुतोष सिंह रवेंद्र सिंह बठिया यूनियन ब्लाक अध्यक्ष दलप्रताप सिंह किसान सभा ब्लॉक उपाध्यक्ष भोला प्रसाद कुशवाहा युवा नेता गौरव शर्मा नितिन सिंह बघेल पप्पू पांडे युवा नेता अजय सिंह बैरिहा धनेश सिंह इंद्रगोपाल सिंह बालेंद्र सिंह प्रदीप सिंह शंकर कुशवाहा वीरेंद्र शुक्ला रुकमणीरमन पांडे जयराम सिंह कौशल सिंह रामनाथ सिंह मोतीलाल सिंह जय सिंह रोहणीप्रसाद सोनी रामविश्वास सिंह शुभकरण विश्वकर्मा रामखेलावन सिंह आदि लगभग 200 किसान उपस्थित रहे

राजश्री कालेज के छात्रों का पी.एच.एन. टेक्नोलॉजी में चयन

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी, बरेली में पी?एच?एन? टेक्नोलॉजी कम्पनी द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें राजश्री संस्थान के बी?बी?ए? एवं एम?बीए? के छात्रों ने प्रतिभाग किया। संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने चयनित छात्रों

उत्तम सिंह, जतिन कुमार, क्षैतिज कुमार, अमित शर्मा, शिराज हुसैन, एवं फरहान इदरीशी को बधाई। दी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना दी। कम्पनी से आये हुए रीजनल मैनेजर पवन उप्पल द्वारा प्रारम्भिक स्क्रीनिंग में पास हुए प्रतिभागियों को साक्षात्कार के उपरान्त अतिंम रूप से चयनित छात्रों को ऑफर लेटर प्रदान किये गये। प्रबंध निदेशक रोहन बंसल एवं शैक्षणिक सालाहकार मिस तूलिका अग्रवाल ने बताया कि आने वाला युग एडवांस एजुकेशनल टेक्नोलॉजी जैसे:- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, ऑगमेंटेड रियलिटी एवं वर्चुअल रियलिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी का है। कैम्पस ड्राइव को सफल बनाने में निदेशक शैक्षणिक प्रो? अनिल कुमार, डीन डॉ? साकेत अग्रवाल, निदेशक (शोध एवं विकास) डॉ? पंकज शर्मा, प्लेसमेंट हेड अंकुर भटनागर, हरप्रीत सिंह, आकांक्षा वर्मा, चन्द्रशेखर सोयल एवं दीपाली सिंह का सहयोग रहा।

कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार चचेरे भाइयों की मौत, मासूम गंभीर

यूपी के कानपुर देहात में भीषण सड़क हादसा हुआ। बेकाबू कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार चचेरे भाइयों की मौत हो गई। जबकि मासूम घायल हो गई।कानपुर देहात के मूसानगर में मुगलरोड

पर गुरुवार दोपहर को अकबराबाद और नगीना मोड़ के बीच दूध प्लांट के सामने तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। दोनों युवकों के कंटेनर के पिछले टायरों में फंसकर 20 मीटर घिसटने से मौत हो गई। जबकि मासूम गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती करवाकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सट्टी थाना क्षेत्र के दिबैर की मड़ैया निवासी शिवकुमार (25) चचेरे भाई संदीप उर्फ बीपी सिंह (18) पुत्र संतोष के साथ बाइक से हमीरपुर के कुरारा थाना क्षेत्र के मनकी निवासी बहनोई सुनील के यहां गए थे। गुरुवार को वह भांजी जान्हवी (7) को साथ लेकर घर के लिए निकले थे। दोपहर दो बजे मुगल रोड पर मूसानगर थाना क्षेत्र के अकबराबाद- नगीना मोड़ के बीच स्थित दूध प्लांट के सामने पहुंचने पर भोगनीपुर की ओर से आ रहे कंटेनर ने बाइक में टक्कर मार दी।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद भागने की कोशिश में दोनों चचेरे भाई कंटेनर के पिछले पहियों में फंसकर 20 मीटर तक घिसट गए। इससे दोनों की मौत हो गई। जबकि मासूम गंभीर रूप से घायल हो गई। युवकों के टायर से अलग न होने पर चालक व क्लीनर कंटेनर छोड़कर मौके से भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल मासूम को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। मौके पर पहुंचे परिजन रो- रोकर बेहाल हैं। थानाध्यक्ष राम सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कंटेनर को कब्जे में लिया गया है। मौके से भागे चालक की तलाश की जा रही है।

यूपी में रूह कंपाने वाली घटना: रात में रखा नवजात का शव, तड़के सफाईवाले ने कूड़ेदान में फेंका; CCTV से खुला राज

गोरखपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के मुफ्तीपुर मोहल्ले में नवजात के शव को कूड़ेदान में फेंके जाने के मामले में हाथ सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग लगी है। इसमें साफ दिख रहा है कि रात में सफेद कपड़े में लिपटे नवजात के शव को नल के पास रखा गया। बगल में ट्रांसफार्मर से पहले दाएं तरफ थोड़ी सी खाली जगह है। अलसुबह नगर निगम का सफाई कर्मी मौके पर आता है और कूड़ा उठाने वाले बेलचे से पोटली को उठाकर ट्रांसफार्मर के पास कूड़ेदान में फेंक देता है। थोड़ी देर में इसी कपड़े को खोलकर कुत्ते शव को नोचने लगते हैं।स्थानीय लोगों ने पुलिस को फोन कर जानकारी दी। इसी के बाद मौके पर पुलिस आती है। संस्कार मैरेज हाउस की गली से आगे आकर दयानंद कन्या इंटर कॉलेज की तरफ एक रास्ता मुड़ता है। इसी मोड़ पर एक तरफ मजार है और सरकारी नल लगा है। इस गली में अस्पताल है और आगे की तरफ रिहायशी इलाका है।सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग में सुबह 5 बजकर 26 मिनट पर नगर निगम के कूड़े की गाड़ी लेकर आता सफाई कर्मी दिखता है। कूड़ा गाड़ी, ट्रांसफार्मर से थोड़ी दूर खड़ी करता है। 5 बजकर 26 मिनट, 27 सेकेंड पर सफाई कर्मी बेलचा हाथ में लिए पहले ट्रांसफार्मर के पास आता है। फिर इधर-उधर देखता है। इसके बाद ट्रांसफार्मर के बगल में मजार और नल के बीच खाली स्थान से सफेद कपड़े में लपेटा कुछ कूड़ेदान के पास फेंकता है और फिर जिधर से आया रहता है, उसी तरफ चला जाता है।बेलचे से कपड़े में लपेटा शव कूड़े में फेंकते देख साइकिल से जा रहा राहगीर भी सफाई कर्मी और कूड़ेदान की तरफ संदिग्ध नजरों से देखता है और आगे बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नवजात के शव को रात के समय ही इस खाली जगह पर लाकर रखा गया होगा। रात में सवा दस बजे से लेकर सवा बारह बजे तक इलाके में बिजली भी गुल थी। इसी का फायदा उठाकर गली और मोहल्ले को करीब से जानने-समझने वाले ने इस जगह नवजात के शव को रख दिया होगा। दिन के वक्त अगर ऐसा होता तो जरूर कुत्ते या अन्य किसी की नजर इस पर पड़ ही जाती। सुबह सफाईकर्मी ने जब इसे उठाकर कूड़ेदान में फेंका तो लपेटा कपड़ा खुल गया था। इससे बच्चे का शव कपड़े के बाहर आ गया। इसके बाद कुत्ते नवजात के शव को नोचने लगे। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि सफाई कर्मी को सफेद कपड़े में लिपटे सामान को लेकर पूरी जानकारी रही होगी। अगर पुलिस सीसीटीवी के आधार पर सफाई कर्मी से सख्ती के साथ पूछताछ करे तो पूरी कहानी अपने आप खुल जाएगा।शव मिलने के थोड़ी देर में ही दर्ज हुआ केस- कोतवाली पुलिस ने शव मिलने के थोड़ी देर के अंतराल पर ही बीएनएस 94 के तहत अज्ञात पर केस दर्ज कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भी भेज दिया था। दरअसल, भारतीय दंड संहिता में बीएनएस 94 को धारा 318 में दर्ज किया जाता था। इसके तहत नवजात को गोपनीय तरीके से जीवित अथवा मृत फेंकना अपराध की श्रेणी में आता है। लेकिन, इस मामले में माता-पिता पर भी बीएनएस धारा 91 के तहत विधिक कार्रवाई भी जरूरी है।चार या पांच दिन का रहा होगा नवजात- सूत्रों ने बताया कि नवजात चार से पांच दिन पहले जन्म लिया होगा। कुत्ते जब उसे नोच रहे थे, तो खून नहीं बह रहा था। शहर के चिकित्सक डॉ पंकज दीक्षित ने बताया कि अगर शिशु की मौत हुए चार घंटे से अधिक बीत गए होंगे तो उसके शरीर का खून सूख गया होगा। पोस्टमार्टम के बाद ही स्पष्ट होगा कि मौत कैसे हुई। पोस्टमार्टम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बच्चे का शव आठ से दस घंटे पहले का लगता है।शव का पोस्टमार्टम 72 घंटे बाद किया जाएगा। दरअसल, अज्ञात शव के लिए ज्ञात वारिश की तलाश पुलिस करती है। इसके तलाश होने के बाद पंचनामा भरके ही पोस्टमार्टम किया जाता है, लेकिन अज्ञात शव का अगर 72 घंटे तक कोई वारिश नहीं आता है तो पुलिस-प्रशासन के सहयोग से पंचनामा भर के पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। इसका रिकॉर्ड संबंधित थाने में रखा जाता है।इन धाराओं में केस दर्ज कर होनी चाहिए कार्रवाई धारा 91 बीएनएस = शिशु को जीवित पैदा होने से रोकने या जन्म के बाद मृत्यु कारित करने के आशय से किया गया कार्य। सजा = दस वर्ष तक कारावास और आर्थिक दंड धारा 94 बीएनएस = नवजात को गोपनीय तरीके से जीवित अथवा मृत फेंकना अपराध है। सजा = दो साल की कैद या जुर्माना या फिर दोनों।गोरखपुर में 154 साल बाद दर्ज हुई थी पहली एफआईआर जिसके जन्मदाता ने ही उसे मार डाला या लावारिस छोड़ दिया, फिर उसके मामले में कौन सुनेगा? अमूमन नवजात का शव मिलने या उसके जीवित लावारिस मिलने पर पुलिस कोई मामला दर्ज ही नहीं करती। अमर उजाला ने नवजात के लावारिस मिलने पर 2019 में यह मामला उठाया तो धारा-317 के तहत गोरखपुर में पहली एफआईआर दर्ज हुई थी।2019 में तत्कालीन डीजीपी ओपी सिंह के निर्देश पर रेलवे जीआरपी थाना ने पहला केस दर्ज किया था। अमर उजाला की खबर का संज्ञान लेकर अधिवक्ता अभिनव तिवारी ने थाने में तहरीर दी थी। इसी के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की गई। वरना इससे पूर्व जनरल डायरी में शिशु के मिलने का उल्लेख करके पुलिस अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती थी।डीजीपी ने जारी किया था सर्कुलर नवजात शिशु के मामलों में पुलिस का कुतर्क रहता है कि कोई तहरीर ही नहीं देने वाला तो वह एफआईआर कैसे दर्ज करे। अमर उजाला की पहल पर तत्कालीन डीजीपी ओम प्रकाश सिंह (ओपी सिंह) ने सर्कुलर जारी करके इस समस्या का समाधान भी किया था कि नवजात शिशु के मामले में तहरीर का इंतजार किए बिना, पुलिस स्वयं वादी बनकर मामला दर्ज करे। इसके बाद गोरखपुर में कई मामले दर्ज हुए। कुछ मामलों में पुलिस ही वादी भी बनी। आज भी यह सर्कुलर प्रभावी है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

के.सी.एम.टी. के एम.बी.ए. विद्यार्थियों को अच्छे पैकेज के साथ मिली नौकरी

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा ।खण्डेलवाल कालेज में वृहस्पतिवार को छात्र हित को ध्यान में रखकर बीते वर्षो की भांति विभिन्न कम्पनियों को कैम्पस प्लेसमेंट हेतु आमंत्रित किया जाता है, इसी श्रंखला में फाइनटेक कम्पनी की वर्चुअल ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें एम.बी.ए. फाइनल वर्ष के विद्यार्थी यश अरोरा , कार्तिक की तीन लाख पैकेज पर नियुक्ति हुई है। इस अवसर पर चेयरमैन गिरधर गोपाल ने कहा कि सभी चयनित विद्यार्थी कम्पनियों के उत्थान हेतु कठिन परिश्रम कर व्यवहार कुशल बनें तभी आप निरंतर सफल होकर तरक्की करेंगे और आपकी उन्नति संभव है। इस आयोजन हेतु प्रबन्ध निदेशक डॉ. विनय खण्डेलवाल ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनायें एवं बधाई दी। इस आयोजन में डॉ. प्रबोध गौड़ का सहयोग रहा।

बालिका से दुष्कर्म में 70 वर्ष के दोषी को आजीवन कारावास

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज। एक साल पहले 11 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म करने के दोषी 70 वर्षीय बुजुर्ग को एडीजे विशेष पाक्सो सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस घटना के मुकदमे का ट्रायल पांच माह में पूरा किया गया। अनुसूचित परिवार की बच्ची के साथ यह घटना 28 दिसंबर 2023 को हुई थी। हरदुआगंज की बच्ची के पिता की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया कि वह कस्बे में गोशाला पर मजदूरी करता है। घटना वाली दोपहर उसकी बेटी स्कूल से लौटकर घर के बाहर खेल रही थी। तभी पड़ोसी 70 वर्षीय रफी उसे बातों में लगाकर ले गया। रुपयों का लालच दिया। अपने घर की झोपड़ी में ले जाकर बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद उसे धमकाकर भगा दिया। अभियोजन अधिवक्ता एडीजीसी महेश सिंह के अनुसार बच्ची ने बाद में अपनी बुआ को घटना के बारे में बताया। उसकी हालत ठीक नहीं थी। इसके बाद स्वजन ने पुलिस को खबर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मेडिकल परीक्षण की प्रक्रिया पूरी कराई। आरोपित की गिरफ्तारी के आधार पर चार्जशीट दायर की गई। मार्च माह में ट्रायल शुरू हुआ। सभी गवाहों के साथ साथ पीडित बच्ची की गवाही हुई, जिसमें उसने घटना को सही बताया। अदालत ने इसी आधार पर रफीक को दोषी करार देकर सजा सुनाई है। 35 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। जिसमें से तीस हजार रुपये पीडित पक्ष को देने के आदेश दिए हैं।

नलकूपों की व्यवस्था की जाए लोग पानी के लिए परेशान है - राकेश

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह

महानगर में कई क्षेत्र ऐसे हैं पानी की निकासी की सुविधा नहीं है कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिन क्षेत्रों में पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं है कुछ क्षेत्र ऐसे हैं लेकिन नल सुविधा है खराब पड़े हुए हैं यह जनता की मुख्य समस्याएं हैं वार्ड नंबर 36 वार्ड नंबर 5 वार्ड नंबर 62 इन क्षेत्रों में भी मिनी नलकूप की आवश्यकता है नगर निगम को जमीन बता दी जाएगी नलकूप नगर निगम लगवाएगा भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि शहर के विकास के लिए जनता की समस्याओं का समाधान समय से होना चाहिए शहर में गालियों के विकास के लिए पानी निकासी की समस्या के लिए उचित व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए नलकूप वार्ड नंबर 36 वार्ड नंबर 62 वार्ड नंबर 5 में नलकूप लगाना सुनिश्चित किया जाए जिससे कि लोगों के सामने पानी की किल्लत पैदा ना हो मिनी नलकूप लगाने के लिए जलकल विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारियों को इस समस्या का समाधान करने के निर्देश जारी किए जाए!

मैं अपने आपको यहां सक्षम नहीं पा रहा, नारेबाजी से नाराज सभापति जगदीप धनखड़ कुर्सी छोड़कर उठे

धनखड़ ने कहा कि विपक्ष को लगता है कि सिर्फ उन्हीं का दिल दुख रहा है। पूरा देश उस लड़की की वजह से दुखी है। हर कोई इस स्थिति को साझा कर रहा है, लेकिन इसका फायदा उठाना, इसका राजनीतिकरण करना उस लड़की का सबसे बड़ा अपमान है। उस लड़की को अभी बहुत आगे जाना है।देश के उपराष्ट्रपति और संसद के उच्च सदन के सभपति जगदीप धनखड़ नाराज होकर कुर्सी से उठकर चले गए। वे विपक्षी दलों के नेताओं की नारेबाजी से नाराज थे। उन्होंने कहा कि आज यहा जो हुआ, वह ठीक नहीं है। यहां मुझे नहीं, बल्कि सभापति के पद को चुनौती दी जा रही है। विपक्ष के नेता मेरे खिलाफ टिप्पणी कर रहा है। मेरा अपमान कर रहे हैं। ऐसे में में इस कुर्सी पर बैठने के लिए खुद को सक्षम नहीं पा रहा हूं। इस बीच विपक्षी दलों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। दरअसल, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे सदन में विनेश फोगाट के मुद्द को उठाना चाह रहे थे। इसकी अनुमति नहीं मिलने पर विपक्षी नेता नारेबाजी करने लगे। इस पर ही सभापति नाराज हो गएविपक्ष के हंगामे के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बोलने के लिए अनुमति दी। उन्होंने खरगे से पूछा आप क्या कहना चाहते हैं। इस पर खरगे ने कहा की हमने कल भी यह बात रखी थी। यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह सिर्फ विनेश फोगाट से जुड़ा नहीं है। हम यह चर्चा करना चाहते हैं कि इसके पीछे आखिर कौन है? इसी दौरान विपक्ष की ओर से हंगामा शुरू हो गया। सभापति ने कहा कि कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा तो हंगामा तेज हो गया। इसी दौरान सभापति जगदीप धनखड़ नाराज हो गए। उन्होंने टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन पर नाराजगी जताते हुए कहा, %%सदन में आपका व्यवहार सबसे खराब है। आप चेयर की ओर चिल्ला रहे हैं। मैं आपके व्यवहार की निंदा करता हूं। अगली बार मैं आपको सदन के बाहर कर दूंगा। आपने चेयर पर चिल्लाने की हिम्मत कैसे की।%% इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। विपक्ष के सदन से वॉकआउट के बाद भी सभापति अपनी पीड़ा वक्त करते रहे। उन्होंने कहा, %%हमने सदन के अंदर अभी सबसे खराब स्थिति को देखा। हमने आपातकाल के दौरान अपने संविधान का सबसे काला दौर देखा था। हमें पता है यह कैसे शुरू हुआ था। यह सबसे संवैधानिक संस्थाओं को चुनौती देने के साथ शुरू हुआ था। जून 1975 में चुनौती थी। अभी भी गंभीर चुनौती है। क्या इस तरह के व्यवहार की कोई सही ठहरा सकता है। उन्होंने कहा, %वो सोचते हैं वो सभी बहुत बुद्धिमान हैं। वो सोचते हैं अकेले वही हैं जिनके दिल को दुख पहुंचा है। हमारी बेटी (विनेश फोगाट) को लेकर पूरा देश दुखी है। चाहे राष्ट्रपति हों, प्रधानमंत्री हों, मैं खुद हूं सभी इस दुख को महसूस कर रहे हैं। लेकिन, इसका लाभ उठाना, इस पर राजनीति करना उस बेटी का अपमान है। उस लड़की को बहुत आगे जाना है।% उन्होंने कहा, %मैं बहुत खुश था कि हरियाणा सरकार ने तुरंत इस बात का एलान किया कि वो उसे सभी सुविधाएं और आर्थिक लाभ देंगे जो पदक विजेता को मिलता है। राज्य सरकार ने उन्हें पदक विजेता के तौर पर सम्मान दिया है। दूसरी ओर इस सदन में क्या हो रहा है? कल जब नेता प्रतिपक्ष ने अपना हाथ उठाया तो मैंने उन्हें अपनी बात रखने की अनुमति दी। नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष ने बहुत महत्वपूर्ण बातें रखीं। मैंने उन्हें एक संदेश भेजा। आप कौन सा मुद्दा उठाना चाहते हैं। उनकी ओर से जवाब आया मैं एक सार्वजनिक महत्व का मुद्दा उठाना चाहता हूं। क्या इससे विषय का पता चलता है, क्या इससे इसके महत्व का पता चलता है, क्या इससे इसकी अर्जेंसी का पता चलता है? इस पूरी प्रक्रिया के दौरान नेता प्रतिपक्ष का आशय यह था कि चेयर रबर स्टैंप है।% इसके बाद नेता सदन जेपी नड्डा ने विपक्ष के व्यवहार की निंदा की। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने कहा कि माननीय सदस्यगण इस पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना। अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण वातावरण करना, यह अमर्यादित आचरण नहीं है, यह हर सीमा को लांघित करने वाला आचरण है। यह सदन इस समय देश की रूलिंग पार्टी के अध्यक्ष को यहां सदन के नेता को रूप में देख रहा है। यह सदन प्रतिपक्ष ने अध्यक्ष को भी यहां नेता प्रतिपक्ष के रूप में यहां देख रहा है। कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठतम नेता भी इस सदन की सदस्य हैं। जो मैं हाल के दिनों में देख रहा हूं, और जिस तरह से चुनौती शब्दों से, पत्र के द्वारा, अखबार के माध्यम के द्वारा, एक प्रमुख अखबार, नाम नहीं लेना चाहता हूं, कितनी गलत टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, %मैंने देखा है। मेरे को ये चुनौती नहीं दी जा रही है। यह चुनौती सभापति के पद को दी जा रही है, और ये चुनौती इसलिए दी जा रही है क्योंकि जो व्यक्ति इस पद पर बैठा है, वो इसके लायक नहीं है। ऐसा ये सोचते हैं। मुझे हाउस का समर्थन जितना चाहिए उतना नहीं मिला है। मैंने प्रयास में कोई कमी नहीं की है। जयराम जी आप हंसिए नहीं... मैं आपकी आदत जातना हूं। अब मेरे पास एक ही विकल्प है।सदन में बहुत से वरिष्ठ सदस्य हैं। अब भी उपस्थित हैं उनका सम्मान करता हूं। उन्होंने राजनीति मेरे से बहुत ज्यादा देखी है। दुखी मन से...मैं अपनी शपथ से दूर नहीं भाग रहा हूं। पर जो आज मैंने देखा है। जिस तरह का व्यवहार सदस्यों ने किया है। शारीरिक रूप से किया है। जिस तरह का व्यवहार इधर से (विपक्ष की ओर इशारा करते हुए) भी हुआ है। कुछ समय के लिए मैं यहां बैठने में अपने आपको सक्षम नहीं पा रहा हूं।% %आप चेयर पर चिल्ला रहे हैं%- इससे पहले धनखड़ ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन के व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा कि आप चेयर पर चिल्ला रहे हैं। मैं इस व्यवहार की निंदा करता हूं। क्या कोई इस तरह के आचरण को बर्दाश्त कर सकता है?-नड्डा ने भी विपक्ष को घेरा- इससे पहले केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पूरा देश विनेश फोगट के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कल उन्हें %चैंपियन ऑफ चैंपियंस% कहा और प्रधानमंत्री की आवाज 140 करोड़ लोगों की आवाज है। दुर्भाग्य से हम इसे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बांट रहे हैं। दुर्भाग्य से विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, जिस पर वे चर्चा करना चाहते हों और जिसके लिए सत्ता पक्ष तैयार हो। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत सरकार, खेल मंत्रालय और आईओसी ने सभी मंचों पर समाधान की कोशिश की है।

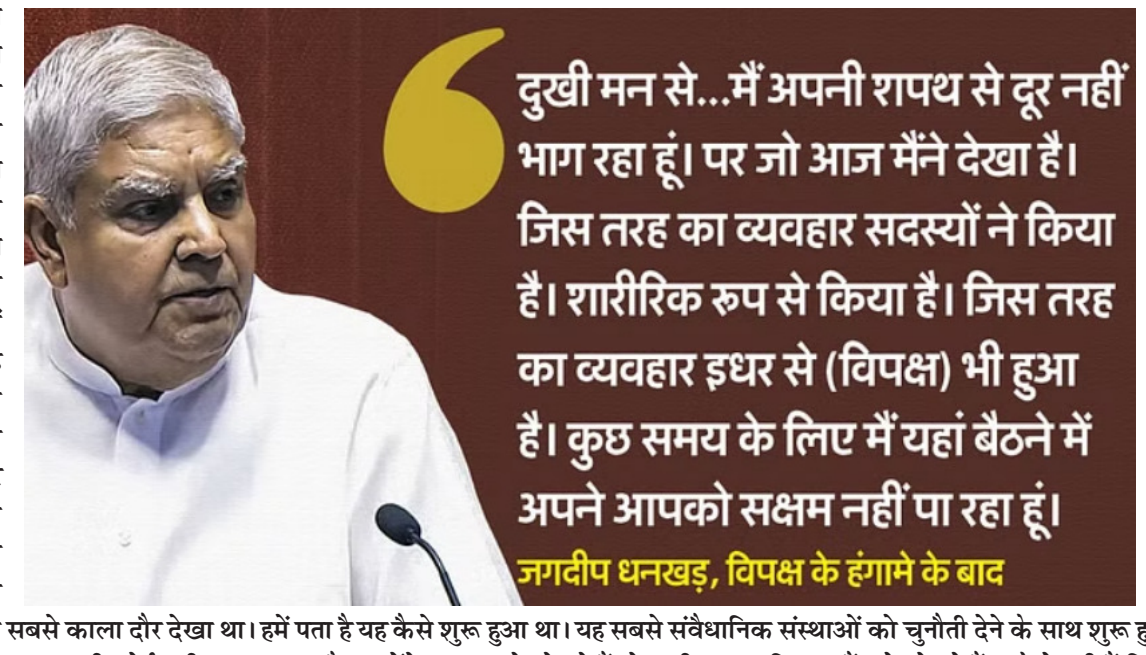

संक्षिप्त समाचार

हरियाली तीज पर सावन गीतों की धुनों पर थिरकीं सुहागिनें

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। सनातनी परम्परा के अनुसार प्राचीन काल से ही पतियों की लम्बी उम्र की कामना करने की परम्परा एवं हरियाली तीज का पर्व हर सुहागिन के जीवन में अति महत्व रखता है। बुधवार को श्रेया पार्लर सुरेश शर्मा नगर की ओर से तीज कार्यक्रम आयोजित किया । जिसमें पैनी नजर सामाजिक संस्था की अध्यक्ष , रुहेलखंड प्रांत आम आदमी पार्टी उपाध्यक्ष एडवोकेट सुनीता गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची। तीज महोत्सव कार्यक्रम में महिलाओं की ओर से विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित महिलाओं ने भारतीय संस्कृति की प्रस्तुति की। कार्यक्रम में रितु पटेल को तीज क्वीन बनाया गया। एडवोकेट सुनीता गंगवार में कहा हरियाली तीज महोत्सव भारतीय संस्कृति की पहचान है । इस की शुभकामनाएं देते हुए महिलाओं की प्रस्तुति की खूब सराहना की। कार्यक्रम में श्रेया पार्लर की प्रोपराइटर लक्ष्मी पटेल ,शकुन पटेल, सीतू गंगवार, ममता गोला, कल्पना पटेल ,मौली पटेल, सोमा पटेल, आदि शामिल हुई।

पैरोकार द्वारा प्रभावी पैरवी से अभियुक्त को सजा दिलायी गयी

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली- पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 महोदय द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अन्तर्गत चिन्हित वाद में श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली के कुशल नेतृत्व एवं पुलिस अधीक्षक दक्षिणी/नोडल अधिकारी ऑपरेशन कन्विक्शन जनपद बरेली व थाना के पैरोकार द्वारा प्रभावी पैरवी के क्रम में अभियुक्त को सजा दिलायी गयी, जिसका विवरण निम्नवत् है- वादी उ0नि0 श्री अमित कुमार तत्कालीन नियुक्ति थाना विशारतगंज जनपद बरेली द्वारा दिनांक 19.08.2019 को समय 19.40 बजे कस्बा विशारतगंज के पश्चिमी फाटक पर चेकिंग के दौरान अभियुक्त के कब्जे से 06 ग्राम अवैध स्मैक बरामद किये जाने के सम्बन्ध में थाना विशारतगंज पर दिनांक 19.08.2019 को मु0अ0सं0 146/2019 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट दर्ज हुआ । जिसमें अभियुक्त द्वारा जुर्म इकबाल करने के आधार पर आज दिनांक 07.08.2024 को मा0 न्यायालय एडीजे-12/ एनडीपीएस एक्ट कोर्ट जनपद बरेली द्वारा अभियुक्त अहसान पुत्र तस्लीम नि0 वार्ड नं0-6 शमसान भूमि के पास कस्बा व थाना सिरौली जनपद बरेली को मा0 न्यायालय एडीजे-12/ एनडीपीएस एक्ट कोर्ट बरेली द्वारा दोषसिद्ध करते हुए धारा 8/ 21 एनडीपीएस एक्ट में 05 बर्ष का कठोर कारावास व 5,000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड अदा न करने पर 01 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

युवती से किया दुष्कम...पीड़िता की मां को अचानक देख, आरोपियों ने की ये हरकत; दर्ज हुआ मुकदमा

घर में युवती को अकेला देख गांव की ही युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान युवती की मां अचानक घर पहुंच गई। आरोपियों ने जैसे ही महिला को देखा तो उसे धक्का देकर भागे। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने सुनवाई नहीं की। कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ है। कासगंज के सिढ़पुरा क्षेत्र के एक गांव में घर में घुस कर दो आरोपियों ने युवती से दुष्कर्म किया। न्यायालय ने थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज कर विवेचना के आदेश दिए हैं। युवती 26 मार्च 2024 को घर पर अकेली थी। उसके माता पिता खेत पर गए हुए थे। आरोप है कि तभी मौका पाकर ग्राम धनसिंह पुर निवासी धर्मेंद्र व नीतेश कुमार घर में घुस गए और उसके साथ दोनों ने दुष्कर्म किया। इस बीच उसकी मां अचानक घर पहुंच गई। मां के आते ही आरोपी भागने लगे जब उनको पकड़ने का प्रयास किया तो वह धक्का मार कर भाग गए। जब इस बात की शिकायत धर्मेंद्र के घर जाकर की गई तो उसके पिता व चाचा ने मारपीट की। जब मामले की शिकायत पुलिस से की गई तो पुलिस ने घटना की प्राथमिकी दर्ज नहीं की और ना हीं कोई मेडिकल कराया। मामले की तहरीर पुलिस अधीक्षक को भेजी गई लेकिन नतीजा शून्य रहा। युवती की मां ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर न्याय की गुहार लगाई। प्रकरण में थाना पुलिस से आख्या प्राप्त होने को उपरांत पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सिढ़पुरा थाना अध्यक्ष को सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने तथा विहित समय सीमा के अंदर अपनी आख्या न्यायालय में प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं।

जीवन में भरत जैसे भाई का होना बहुत जरूरी - शिवानंद जी महाराज

क्यूँ न लिखूँ सच-रजनेश श्रीवास्तव

बरेली- श्री रामायण मंदिर माधव बाड़ी में चल रही दिव्य श्रीराम कथा के सप्तम दिवस पर नैमिषारण्य से पधारे भाई श्री शिवानन्द जी ने भरत के राम के प्रति भातृ प्रेम को बताया गोस्वामी तुलसीदास महाराज द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस के अयोध्या काण्ड में वर्णित भगवान श्रीराम के वन गमन के प्रसंग के तहत भरत चरित्र का वर्णन किया। उन्होंने भरत के मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के प्रति अटूट प्रेम और वात्सल्य भाव के कई प्रसंग सुनाकर लोगों को भावविभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि भरत ने राजतिलक का परित्याग कर भातृ प्रेम की अनूठी मिसाल पेश कर समाज को जो संदेश दिया, वह आज लोग भूलते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामायण हमें जीवन जीने की कला सिखाती है और हमें लोभ लालच न कर प्रेम बनाए रखने की प्रेरणा देती है। रामायण में भरत ही एक ऐसा पात्र है, जिसमें स्वार्थ व परमार्थ दोनों को समान दर्जा दिया गया। इसलिए भरत का चरित्र अनुकरणीय है। भरत चरित्र का प्रत्येक प्रसंग धर्म सार है क्योंकि भरत का सिद्धांत लक्ष्य की प्राप्ति व राम के प्रेम को दर्शाता है। कथा के दौरान प्रसंग के माध्यम से महाराज श्री ने बताया कि भ्रातृत्व प्रेम किसी का है तो वह भरत का। वर्तमान समय में भरत चरित्र की बहुत बड़ी प्राथमिकता है। स्वार्थ के कारण आज भाई-भाई जहां दुश्मन जैसा व्यवहार करते हैं, वहीं भरत चरित्र त्याग, संयम, धैर्य और ईश्वर प्रेम का दूसरा उदाहरण है। भरत का विग्रह श्रीराम की प्रेम मूर्ति के समान है। जिससे भाई के प्रति प्रेम की शिक्षा मिलती है। इस मनुष्य जीवन में भाई व ईश्वर के प्रति प्रेम नहीं है, तो वह जीवन पशु के समान है। कहा कि सभी को भरत और श्रीराम से भाई व ईश्वर प्रेम की सीख लेनी चाहिए। कथा के साथ ही मंदिर परिसर में हरियाली तीज का महोत्सव ठाकुर जी के साथ बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया इस अवसर पर सभी ने हरित वस्त्र धारण किए और महिलाओं ने मंगल गीत गाकर तीज का त्योहार मनाया

रोटरी क्लब शामली स्टार्स ने मनाया तीज महोत्सव

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली। रोटरी क्लब शामली स्टार्स ने आज दिल्ली रोड स्थित सिटी ग्रीन बैंक्विट हॉल में रात्रि हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया जिसमें क्लब के सभी सदस्य एवं क्लब की सभी Annies ने भाग लिया। क्लब की फर्स्ट लेडी ऑफ क्लब श्रीमती हिना तायल के तत्वाधान में बहुत ही सुंदर आयोजन किया गया, जिसमें सभी महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। क्लब की महिलाओं के लिए तरह-तरह के गेम्स रखे गए। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती राशि आर्य ने सभी को हरियाली तीज की महत्वता एवं उसकी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती मनीता गर्ग एवं अंजलि मित्तल ने सभी सदस्यों को तरह-तरह के गेम्स कराए तथा सभी विजेताओं को क्लब की तरफ से आकर्षक उपहार भी दिए गए। तीज क्वीन का किताब क्लब की अन्य सलोनी गोयल को दिया गया इस प्रतियोगिता में क्लब की सभी मेंबर्स ने भाग लिया लास्ट राउंड में जुड़ी मेंबर्स ने क्लब के सदस्य रोटेरियन सौरभ गोयल की धर्मपत्नी सलोनी गोयल को तीज क्वीन का खिताब दिया उनको तीज क्वीन का पका पहनकर तथा उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में हिना तायल राशि आर्य मनीता गर्ग अंजली मित्तल प्रियंका ऐरन शिवानी तायल मनीषा तायल स्वाति तायल सुगंधा बंसल देविका चौधरी पिंकी गर्ग प्रिया मित्तल अंचल बंसल आदि का विशेष सहयोग रहा।

डीएम शामली द्वारा प्राथमिक विद्यालय नंबर 7 का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली। जनपद शामली के प्राथमिक विद्यालय का डीएम द्वारा अचानक निरीक्षण किया। शामली के बुढ़ाना रोड स्थित प्राथमिक विद्यालय नंबर 7 पर अचानक पहुंचे जिलाधिकारी रवीन्द्र सिंह। विद्यालय पहुँचने पर जिलाधिकारी ने शिक्षा के बारे मे अध्यापकों से जानकारी ली। इतना ही नहीं उन्होंने उनकी चल रही पढ़ाई बारे मे विधालय में बच्चों के साथ नीचे बैठकर ही पढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा बच्चों से कुछ प्रश्न तथा सवाल भी पूछे। जानकारी मे जिलाधिकारी ने बच्चों के बैठने के विषय में भी अध्यापकों से चर्चा की तथा नगरपालिका द्वारा किये गये कार्यों की भी जानकारी ली। डीएम महोदय द्वारा बैठने की व्यवस्था पर जल्द ही विचार किया जाएगा। सम्पूर्ण विधालय का निरीक्षण करने के उपरांत नदारत पाए अध्यापक को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस मौके पर अध्यापकों तथा अन्य सहयोगी तथा स्कूल के बचे उपस्थित रहें।

विद्यालय नव चेतना साइंटिफिक स्कूल शामली में हरियाली तीज का कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच-राकेश गुप्ता

शामली- हरियाली तीज का पर्व मनाया गया। ये हरियाली तीज उत्तरी राज्यों में एक महत्वपूर्ण त्यौहार है और यह विवाहित हिंदू महिलाओं के लिए बहुत महत्व रखता है। इस शुभ दिन पर विवाहित महिलाएँ अपने पति की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्रत रखती हैं। यहाँ तक कि कई अविवाहित लड़कियाँ भी अपने पसंद का जीवनसाथी पाने के लिए व्रत रखती हैं। इस पर्व पर सभी जगह पर अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी के चलते आज विद्यालय नव चेतना साइंटिफिक स्कूल शामली में हरियाली तीज का कार्यक्रम बहन शिवानी राठौड़ की अध्यक्षता में बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 6,7,8 की बालिकाओं के बीच प्रतियोगिता रखी गई। इस प्रतियोगिता के परिणाम (प्रथम, द्वितीय, तृतीय)15 अगस्त को घोषित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में संगीता कौशिक , शिवानी राठौड़ , मनीषा , सोनिया, ईशा उपाध्याय , कामना मित्तल, मानसी संगल उपस्थित रहे।

Celebrate this Independence Day with Tricolor Pulao, the recipe is easy

Independence Day is very special for everyone. Every year on 15th August, we Indians celebrate our independence. Everyone celebrates this special day in their own way. Flag hoisting takes place in all colleges, schools and offices and then sweets are distributed. Many offices have a holiday on this day. If you also have a holiday on this day, but you are thinking

of celebrating Independence Day in a different way, then this time you can celebrate Independence Day by making Tricolor Pulao at your home. This will be a unique way to make this day special. If your child is going to school, then you can also give him Tricolor Pulao by putting it in his lunch. It tastes very delicious to eat and it looks delicious. So let us tell you the recipe of making Tricolor Pulao. Green Pulao- Basmati Rice - 1 cup (cooked) Spinach - 1 cup Green Chillies - 2-3 Cumin - 1/2 tsp Oil - 1 tbsp Salt - according to taste Method- To prepare green pulao, first heat oil in a pan. Now after the oil is heated, add cumin seeds and let it turn golden. Now add finely chopped green chillies and spinach. Cook the spinach until it becomes soft. When the spinach is cooked, add salt to it and mix well. Green Pulao is ready. Keep it aside. White Pulao- Basmati Rice - 1 cup (cooked) Cumin - 1/2 tsp Oil - 1 tbsp Salt - according to taste Method- You will not have to work hard to prepare white pulao. For this, first heat oil in a pan. Now add cumin seeds to it. After the cumin seeds are roasted, add cooked rice and salt to the pan and mix well. Your white pulao is ready. Saffron coloured pulao- Basmati rice - 1 cup (cooked), Carrot - 1 cup (grated), Cumin - 1/2 tsp, Oil - 1 tbsp, Salt - as per taste Method- To make saffron coloured pulao, heat oil in a pan. Now add cumin seeds to the pan and fry it till it turns golden. Now add finely chopped carrots and let it cook. When the carrots are cooked, add salt to it and mix well. After mixing well, take it out in a plate. Decorate like this- Now to make tricolor pulao, put a layer of saffron pulao in a bowl. After this, put a layer of white pulao on top of it. Finally put a layer of green pulao. Press all three well, so that when you take it out by turning it upside down, it gets deposited like a cake. When you take it out by turning it upside down on the plate, the saffron colour will come on top and green below. Now you can serve it with raita.

If you want to look the most beautiful on Teej, then do this before applying makeup

Today, Hariyali Teej festival is being celebrated with great pomp at all places. This day is very special for married women as well as unmarried girls. While on one hand married women pray to Mahadev for their unbroken good fortune on this day, on the other hand, unmarried girls ask Lord Shiva and Mother Gauri for a groom like Bholenath for themselves. It is believed that whoever worships with a true heart on this day, all his wishes are fulfilled. There is also

a craze for dressing up on the day of Hariyali Teej. In such a situation, women wear green colored saree or suit and do makeup. If you want to look beautiful today on the day of Hariyali Teej, then prepare your skin for it before applying makeup. If you prepare your skin before makeup, then your look will look more beautiful. Cleansing - Before applying makeup, first of all do cleansing. Due to this, the dirt of your face will be cleaned thoroughly. For facial cleansing, clean the face with a gentle cleanser. You can also use a good quality face wash for this. After cleaning the face, wash it with cold water and dry it with a towel. Use of ice- If you sweat a lot on your face, then massage your face with ice before makeup. Never apply ice directly on the face. Wrap it in a cotton cloth and then massage your face with it. This will prevent sweat from coming on the face. Now do toning- In this humid weather, it becomes very important to use toner on the face. For this, you just have to take a toner according to your skin and use it. If you want, you can also prepare this toner at home. Do not forget to moisturize- Do not forget to moisturize your face well before makeup even by mistake. If you moisturize your face before makeup, it will set the makeup properly. It will also keep your skin hydrated for a long time. Make sure to use primer- If you are going to do makeup, do not forget to use primer. This helps the makeup to stay on the skin for a long time and makes the skin surface smooth. Be sure to apply primer especially on the T points.

You will not be able to take your eyes off these looks of Vinesh Phogat, who showed her strength in the Olympics.

Are our girls any less than boys? This has been proved by India's legendary wrestler Vinesh Phogat. In fact, in the Paris Olympic Games, Vinesh took a step towards winning the gold medal in the 50 kg category of women's wrestling event by playing several matches in a single day. With this victory, Vinesh has become the first female athlete to reach the final of the Olympics. Born on 25 August 1994 in Balali village of Haryana, Vinesh Phogat has hoisted the flag of the country many times on foreign soil. Before the Olympics, she has hoisted the tricolor in the Commonwealth Games, Asian Games, World Championship and Asian Championship. In such a situation, now everyone is hoping for a gold medal from her. People also like the simple style of Vinesh, who has brought glory to the country with her sports. She often shares her pictures on her social media account. Let us also show you some of her looks, which people liked very much. Purple Lehenga- Purple color looks very beautiful on Vinesh. This is the reason why this lehenga looks very bright on her. With this purple lehenga, Vinesh has carried a yellow net dupatta, which is increasing the beauty of the lehenga. Lehenga with Cape Style Dupatta- To give a stylish look to her simple lehenga, Vinesh has carried her dupatta in cape style in this look. With this, she has completed her look by wearing heavy earrings in her ears. Vinesh also looks very cute in this blue lehenga. Lavender and Yellow Lehenga- If you like light colored lehengas, then you can take tips from this look of Vinesh and get a lehenga prepared for yourself. This lehenga of hers looks amazing. Lavender color work has been done on the lehenga with yellow base. With this lehenga, she has also worn heavy jewellery, which is adding to her beauty. Churidar pyjama and suit- Green colour suits Vinesh very well. In such a situation, this green coloured suit and churidar pyjama with it are looking good on her. With this, she has worn a red and golden coloured dupatta, which is adding to her look. Anarkali suit- This type of anarkali suit suits every girl. There is a colourful print on this white coloured suit, which is adding to its beauty. With this, she has worn mojri, which is making the look stylish. Kurta-plazo- This type of kurta-plazo with black and white work is quite in trend these days. This look is looking very cute on Vinesh too. She had shared this picture on her social media account many months ago. This simple look of hers is also looking cute.

Release of Mrinal Sen's biopic 'Padatik' postponed in Bangladesh, current situation became the reason

Srijit Mukherjee's film 'Padatik', based on the life and works of writer Mrinal Sen, was scheduled to release simultaneously in India and Bangladesh. However, its much-awaited release has been postponed in Bangladesh due to the current unrest. At the same time, the film will hit the theaters in India on the scheduled date i.e. on August 15. Release of 'Padatik' postponed in Bangladesh- 'Padatik' starring acclaimed Bangladeshi actress Chanchal Chowdhury in the lead role was originally set to hit the theaters in India and Bangladesh on the occasion of Independence Day. Producer Firdausul Hasan told PTI, "The current situation in the neighboring country is not favorable enough for the release of any film." Despite the delay, Choudhary's portrayal of Mrinal Sen has received widespread praise, although his appearance at a special screening in India remains uncertain. Srijit Mukherji's hard work will pay off! - In preparation for 'Padatik', Mukherjee did extensive research during the Covid-19 lockdown. He used books, documents and his own articles, even incorporating tools and equipment from Sen's films. Mukherjee has described 'Padatik' as a classic biopic based on Sen's life, including his struggle with the decision to quit filmmaking for his previous job as a medical representative.

Sai Ketan Rao denies marriage reports with Shivangi Khedkar, says she is my good friend

During the Weekend Ka Vaar episode in Bigg Boss OTT 3, Anil Kapoor had asked the actor about his relationship and marriage plans if he would marry Shivangi. The actor later confirmed it. 'Bigg Boss OTT 3' finalist Sai Ketan Rao came into the limelight when he confirmed his relationship with 'Mehndi Hai Rachne Wali' co-star Shivangi Khedkar. Rumors

of him dating the actress have been doing the rounds for the past several years. However, not giving much fuel to the rumors, Sai has now denied these reports and revealed the truth of his relationship. Sai will not marry Shivangi- During the Weekend Ka Vaar episode in Bigg Boss OTT 3, Anil Kapoor had asked the actor about his relationship and marriage plans if he would marry Shivangi. The actor later confirmed it. After his elimination from Bigg Boss OTT 3, in a recent conversation with Telly Masala, Sai has denied his own statement. Actor denies relationship reports- The actor has said that his words were misinterpreted. Talking about the same, Sai said, "It is your belief, but there on that day on stage, Anil Kapoor sir had said two things, one was about Shivangi who is my friend and one was about marriage. I agreed to get married. I want to get married this year or maybe next year, let's see with whom it will be." Sai considers Shivangi a friend- When he was told that from his statement on the show it seems that he has agreed to marry Shivangi, the actor said, "Absolutely, I know that's what it seems. But, it is not completely clear. I wish Shivangi all the best for her life. When will the marriage happen, with whom will it be. Talking about each other, we are best friends and we have always supported each other. Not just in Bigg Boss, he has supported me in the outside world as well."

Kusha Kapila spoke about her divorce from Zorawar, her mother had to face more challenges than her

Kusha Kapila is a well-known comedian, actress and social media celebrity. She often stays connected with her fans through social media. There have been many ups and downs in her life in the last few she is gathering next web series Life Meanwhile, she has her divorce from Ahluwalia. In the last was also in the news made on her in a Recently, during an Fever FM, she talked experiences after that she came to how harsh society women. She said that mother had to face than her. The actress distanced herself opinion, but her to relatives and face people's said that this is the no matter how much we hope to make, almost the same. also talked about

months. These days discussion about her Hil Gayi. also talked about Zorawar Singh few months, Kusha due to the jokes roast show. interview with about her divorce. She said know after divorce can be towards during this time her more challenges said that she had from anyone's mother had to talk society. She had to opinions. Kusha truth of the world, progress is made or some things remain Apart from this, she being an internet celebrity. She said, "If you have opened your world and life to many people, then you cannot imagine what is going to happen to you the next moment." Apart from this, she said, "Various kinds of assumptions will be made about you. People will also give explanations on your behalf, then you will feel that what should I explain now." Let us tell you that last year the actress got divorced after six years of marriage. Recently, during a conversation with India Today, the actress also told that she takes out a certain time of the day to cry and feel bad because of all these things. She said that she gives herself half an hour for all these things and then moves forward in life, because there is still a lot for her to do in the future.